संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 57 शनिवार 28 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आज होगा पूर्व पीएम का अंतिम संस्कार

महत्वपूर्ण खबर

केंद्रीय मंत्री के करीबी नेता के घर ईडी की रेड

पटना,27 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्रीय मंत्री की पार्टी एलजेपी के नेता हुलास पांडेय के अलग-अलग शहरों में स्थित घरों पर ईडी ने छापेमारी की है। पटना, बेंगलुरु और दिल्ली में हुलास पांडेय के ठिकानों प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। हुलास पांडेय बिहार के बहुचर्चित पूर्व विधायक और बाहुबली नेता हैं। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम हुलास पांडेय के पटना स्थित गोला रोड और बेंगलुरु समेत अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। हुलास पांडेय पर अवैध अथियार रखने खतरनाक हथियार से नुकसान पहुंचाने, हत्या की कोशिश, जाने से मारने की धमकी, आपराधिक षड्यंत्र, शांति भंग करने,सरकारी अधिकारी को परेशान करने, वसूली और रंगदारी मांगने जैसे कई संगीन मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। हालांकि, उन्हें किसी भी मामले में कोर्ट के द्वारा दोषी नहीं ठहराया गया है। अगर हुलास पांडेय की संपत्ति की बात करें, तो 2015 में दायर किए गए हलफनामे के मुताबिक, उनकी संपत्ति 4 करोड़ रुपये से ज्यादा है और उनपर 10 लाख रुपये का कर्ज है। हुलास पांडेय के पास दो एसयूवी स्कॉर्पियो और पजेरो है, जिनकी कुल कीमत करीब 32 लाख रुपये हैं। इनके पास पटना के पॉश इलाके बोरिंग रोड में अपना घर है जबकि आरा और बक्सर में भी कई संपत्तियां हैं।

भीषण सड़क हादसे में बस सवार 8 यात्रियों की मौत

बठिंडा,27 दिसम्बर 2024(ए)। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। निजी कंपनी की बस अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई। बस में सवार कई लोग घायल हुए, जिन्हें पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, बठिंडा के कोटशमीर रोड पर एक बस पुल से गुजरते समय ड्रेन में गिर गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन और राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही मौके पर एनडीआरएफ की टीम बचाव के लिए पहुंची है।

मोस्ट वांटेड गैंगस्टर प्रिंस खान के 6 गुर्गों को पुलिस की एसआईटी ने किया गिरफ्तार

धनबाद,27 दिसम्बर 2024(ए)। दुबई में बैठकर धनबाद कोयलांचल में क्राइम का सबसे बड़ा नेटवर्क ऑपरेट करने वाले गैंगस्टर प्रिंस खान के छह गुर्गों को झारखंड पुलिस की एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम) ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से तीन पिस्टल, 16 कारतूस, एक कार, एक बाइक और सात मोबाइल बरामद किए गए हैं। प्रिंस खान झारखंड का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर है, जिसने पिछले तीन साल से दुबई में पनाह ले रखी है। झारखंड पुलिस के आग्रह पर उसके खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर रखा है। धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दनन ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रिंस गिरोह के छह सदस्यों की गिरफ्तारी से कई आपराधिक घटनाओं का खुलासा हुआ है।

» दी जाएगी 21 तोपों की सलामी...

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2024 (ए)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ आज, शनिवार को सुबह 10-11 बजे दिल्ली में शक्ति स्थल के पास किया जाएगा। आज देर रात उनकी बेटी अमेरिका से दिल्ली पहुंचेगी। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर पार्थिव शरीर कल रात एम्स से दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके आवास लाया गया था। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रमों को रद्द कर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

पूर्व पीएम का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए कांग्रेस मुख्यालय में रखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय से ही अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाएगा। पूर्व पीएम के अंतिम संस्कार के दौरान विशेष राजकीय प्रोटोकॉल का पालन किया जायगा।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जायगा। उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) में लपेटा जायगा। इसके साथ उन्हें 21 तोपों की सलामी भी दी जायगी। बता दें, इस सलामी को सर्वोच्च राजकीय सम्मान का प्रतीक माना जाता है

पूर्व प्रधानमंत्री की अंतिम यात्रा में गणमान्य लोग और राजनेता के अलावा आम लोग भी शामिल होंगे। अंतिम यात्रा में सैन्य बैंड और सशस्त्र बलों के जवान भी शामिल होकर पारंपरिक मार्च करते हैं। इस दौरान प्रोटोकॉल और सुरक्षा का कड़ाई से पालन किया जाता है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए आज केंद्रीय कैबिनेट की बैठक होगी। सरकार ने आज के सभी कार्यक्रम रद्द कर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में सभी कार्यक्रम किया रद्द

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने आगामी सात दिनों के लिए सभी आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। पार्टी ने एक महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। इन कार्यक्रमों में कांग्रेस के आंदोलनात्मक और आउटरीच कार्यक्रम भी शामिल हैं। पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि व्यक्त करने के लिए लिया गया है। कांग्रेस ने कहा कि पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी 2025 से फिर से शुरू होंगे, और तब तक सभी गतिविधियाँ स्थगित रहेंगी।

पीएम मोदी, जेपी नड्डा और शाह ने दी श्रद्धांजलि

शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री जे.पी. नड्डा ने डॉ. सिंह के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीएस सिंहदेव ने पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की

कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। टीएस सिंहदेव ने कहा, एक महान नेता और अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने देश को अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। देश के अमीर व्यापारी से ले कर साधारण कर्मचारी तक उनका अमूल्य योगदान नहीं भूल पाएंगे। भारत आपको सदा याद रखेगा। ॐ शांति।

शक्तिस्थल के पास होगा अंतिम संस्कार

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार कल (28 दिसंबर) को सुबह 11- 45 बजे दिल्ली के शक्ति स्थल स्थित निगम बोध घाट में होगा। उनकी बेटी आज देर रात अमेरिका से लौटेगी। मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके आवास पर रखा गया है। अंतिम संस्कार के दौरान विशेष राजकीय प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है।

एन चंद्रबाबू नायडू ने मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सीएम सुक्खू ने भी जताया शोक

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी शोक जताया है।

सरकारी नौकरी से प्रधानमंत्री तक का सफर, कैसा रहा मनमोहन सिंह का मुश्किल भरा जीवन यात्रा

भारत के 14वें प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह, जिनका नाम आज भी आर्थिक सुधारों के पितामह के रूप में लिया जाता है, ने अपनी सरकारी नौकरी छोड़ राजनीति में कदम रखा और देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। 22 मई, 2004 को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले डॉ. सिंह ने 26 मई, 2014 तक दो कार्यकाल पूरे किए। वे कांग्रेस नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के प्रमुख थे और कुल 3,656 दिनों तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवा प्रदान की। अपने कार्यकाल में, डॉ. मनमोहन सिंह ने भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में कई अहम बदलाव किए और भारतीय इतिहास में तीसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बने। उनसे पहले सिर्फ जवाहरलाल नेहरू (6,130 दिन) और इंदिरा गांधी (5,829 दिन) ही इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे थे।

शिक्षा और प्रारंभिक करियर

26 सितंबर, 1932 को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गाह गांव में जन्मे डॉ. मनमोहन सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से अर्थशास्त्र में की और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उनकी सरकारी सेवा में लंबी और सफल यात्रा रही। 1971 में, जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, डॉ. सिंह ने विदेश व्यापार मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद, 1972 में, वे वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बने, जहां उन्होंने 1976 तक कार्य किया।

सरकारी नौकरी से राजनीति में कदम

डॉ. सिंह ने 1991 में भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, जब देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उन्होंने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कई आर्थिक सुधारों की शुरुआत की, जिसमें रुपये का अवमूल्यन, करों में कमी और सरकारी उद्योगों का निजीकरण शामिल था। इसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार हुआ। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य थे और 1991 में राज्यसभा के सदस्य बने। हालांकि, 1999 के लोकसभा चुनाव में वे हार गए थे।

प्रधानमंत्री पद तक का कठिन सफर

2004 के संसदीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) को हराने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद से मना कर दिया। इसके बाद, डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया। 22 मई, 2004 को उन्होंने पदभार संभाला और 2014 तक देश की सेवा की। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद, उनके मुख्य लक्ष्यों में भारत के गरीबों की स्थिति में सुधार लाना, पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करना, और विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सामंजस्य कायम करना था। सिंह ने भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए कई योजनाओं पर काम किया, लेकिन ईंधन की बढ़ती कीमतों और मुद्रास्फीति ने उनके लिए चुनौतियाँ खड़ी कर दीं। 2005 में, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के साथ एक ऐतिहासिक परमाणु सहयोग समझौता किया, जो भारत को परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी और ईंधन प्राप्त करने में मदद करता था। हालांकि, इस समझौते को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध हुआ, और 2008 में जब इस पर आगे बढ़ने का फैसला लिया गया, तो उनकी सरकार को संसद में विश्वास मत का सामना करना पड़ा।

दूसरा कार्यकाल और चुनौतीपूर्ण दौर

2009 के चुनावों में कांग्रेस ने अपनी सीटों की संख्या में वृद्धि की, और डॉ. सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में दूसरी बार पदभार संभाला। हालांकि, इस कार्यकाल में भारत की आर्थिक वृद्धि में मंदी आई और कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों ने सरकार की छवि को प्रभावित किया। 2014 में, डॉ. सिंह ने घोषणा की कि वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की कोशिश नहीं करेंगे। इसी वर्ष, 26 मई को नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, और डॉ. सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने कहा, जब देश में आर्थिक संकट था, मनमोहन सिंह ने उससे उबारा। देश का सोना गिरवी रखा था, उसे वापस लाए और देश की गरिमा को दुबारा एक नई पहचान दिलाई

लोकसभा स्पीकर ने भी जताया दुख

मनमोहन सिंह के निधन पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, मनमोहन सिंह दुनिया में नहीं रहे। उनका भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा योगदान था। उन्होंने आर्थिक, सामाजिक क्षेत्र में बड़े परिवर्तन किए। उनका योगदान देश हमेशा याद रखेगा। पीएम रहते हुए उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दिया। यह देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

साल की अंतिम सोमवती अमावस्या 30 को

बन रहा दुर्लभ संयोग

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2024 (ए)। सोमवती अमावस्या सबसे शक्तिशाली दिनों में से एक है, क्योंकि यह दिन पूर्वजों को समर्पित है। सोमवार को पड़ने की वजह से इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। यह तिथि आत्म शुद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। कहते हैं कि जो साधक अपने जीवन की तमाम समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं, उन्हें इस दिन ज्यादा से ज्यादा पूजा-पाठ और दान-पुण्य करना चाहिए। इससे व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, 30 दिसंबर, 2024 दिन सोमवार को साल की अंतिम सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी।

ईडी ने OctaF के 800 करोड़ रुपये के घोटाले का किया पर्दाफाश

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ऑक्टाएफएक्स से जुड़ी 800 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया है, जिसमें एक जटिल योजना का खुलासा हुआ है जिसने ऑपरेशन के केवल नौ महीनों में भारतीय निवेशकों को धोखा दिया था।पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन की दिसंबर 2021 की एफआईआर के बाद शुरू हुई ईडी की जांच में आरोप लगाया गया कि OctaF& ने विदेशी मुद्रा व्यापार के माध्यम से उच्च रिटर्न के वादे के साथ निवेशकों को गुमराह किया।

मर गया 26/11 अटैक का गुनहगार आतंकी

भारत के एक और दुश्मन का अंत

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2024(ए)। मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड लोगों में से एक हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई है। उसे शुक्रवार को हार्ट अटैक आया, जिसमें उसकी मौत हो गई। मक्की का जमात-उद-दावा के कमांडर हाफिज सईद से करीबी रिश्ता था और वह उसका बहनोई था। हाफिज सदई ने अब्दुल रहमान मक्की को जमात उद दावा का डिप्टी चीफ बना रखा था। मक्की की मौत की पुष्टि करते हुए जमात उद दावा ने बतान भी जारी किया है। आतंकी संगठन का कहना है कि मक्की बीते कुछ दिनों से बीमार था। उसका डायबिटीज बढ़ा हुआ था और उसे इलाज के लिए लाहौर के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इसी दौरान उसे हार्ट अटैक आया और उसकी मौत हो गई।

जमात-उ-दावा का कहना है कि मक्की को शुक्रवार सुबह ही हार्ट अटैक आया और उसने लाहौर के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। भारत की ओर से उसके खिलाफ लगातार ऐक्शन की मांग हो रही थी और पाकिस्तान से

उसे सौंपे जाने की डिमांड भी कई गई थी। इसके बाद भी पाकिस्तान हाफिज सईद और उसके गुर्गों को लगातार शह देता रहा है। ये लोग पाकिस्तान में न सिर्फ आतंकी गतिविधियां चलाते रहे हैं बल्कि आतंकवाद के लिए फंडिंग भी जुटाते रहे हैं। काफी दबाव के बाद दिखावे के लिए ही सही, लेकिन पाकिस्तान की ऐंटी टेररिज्म कोर्ट ने अब्दुल रहमान मक्की को 2020 में 6 महीने कैद की सजा दी थी। मक्की पर टेरर फाइनेंसिंग के आरोप में यह ऐक्शन लिया गया था।

कहा जाता है कि मक्की ही जमात-उद-दावा की सारी गतिविधियां चलाता था और खुद को लो प्रोफाइल ही रखता था। इसके चलते जमात का चेहरा लंबे समय से हाफिज सईद ही रहा है और मक्की के बारे में कम लोगों को जानकारी थी। पाकिस्तान मुताहिदा मुस्लिम लीग नाम के संगठन ने मक्की को पाकिस्तान की विचारधारा का पैरोकार बताया है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 2023 में मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित किया था। उस पर ट्रैवल बैन लगाए थे और संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी किया गया था। हालांकि इन सब कार्रवाइयों के बाद भी वह पाकिस्तान में अन्य आतंकियों की तरह ही खुलेआम घूमता था।

संपादकीय

सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए...

पिकेटी का सुझाव है कि भारत को जीडीपी-टैक्स अनुपात में सुधार कर अतिरिक्त संसाधन इकट्ठा करना चाहिए। उसका निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है।बढ़ती आर्थिक गैर-बराबरी पर राजधानी में एक गंभीर चर्चा हुई। इसमें दो नजरिए उभर कर सामने आए। एक नजरिये की नुमानंदगी भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने की।उन्होंने कहा कि न्यायपूर्ण आर्थिक विकास को मापने का पैमाना आमदनी की गैर-बराबरी कम करना नहीं, बल्कि गरीबी घटाना है।उन्होंने दावा किया कि पूंजी पर टैक्स लगाने से निवेश नहीं बढ़ेगा, बल्कि पूंजी का पलायन शुरू हो जाएगा। उनका यह दावा भी दिलचस्प है कि समानता थोपने से सूक्ष्म एवं लघु व्यापार को अधिक क्षति पहुंचती है।ऐसी कोशिश को नागेश्वरन ने सीमा लगाने का अत्याचार बताया और कहा कि ऐसा करने पर छोटे कारोबारी छोटे ही रह जाएंगे।गैर-बराबरी, आर्थिक वृद्धि एवं समावेशन' विषय पर हुई इस चर्चा में दूसरा पक्ष विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी रख चुके थे।पिकेटी ने अपनी चिर-परिचित राय रखी कि भारत को जरूरत जीडीपी-टैक्स अनुपात को सुधारने की है।उनका सुझाव है कि भारत को सबसे धनी एक फीसदी लोगों पर दो फीसदी धन कर लगाना चाहिए जाए और आय कर व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए।इससे इकट्ठा अतिरिक्त संसाधनों का निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए।यही विकसित देश बनने का रास्ता है। मगर नागेश्वरन की बात से साफ है कि भारत सरकार इस नजरिए से बिल्कुल सहमत नहीं है।बहरहाल, चूंकि उन्होंने न्यायपूर्ण विकास को मापने का पैमाना गरीबों की संख्या में गिरावट को बताया, तो यह मुद्दा उठेगा कि आखिर गरीबी को मापने की कसौटी क्या हो?भारत सरकार ने सामान्यत मान्य कसौटियों को ताक पर रखते हुए जो पैमाना अपनाया है, उसे इस क्षेत्र के विशेषज्ञ स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।सबसे पहले तो सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए हैं। उसे ठीक करने की जरूरत है। फिर बेहतर होगा, सरकार प्रति दिन प्रति व्यक्ति कैलोरी की उपलब्धता के पुराने पैमाने को आधार बनाए। उस पर देखा जाए, तो असल में गरीबों की संख्या बढ़ी है।फिर भी क्या नागेश्वरन कहने की स्थिति में हैं कि जिस सरकार के वे सलाहकार हैं, उसकी नीतियों से गरीबी में ह्रास हुआ है?

नदी जोड़ो अभियान,एक सदी का सपना

नदी जोड़ो अभियान आज चर्चा का विषय है। इसका श्रेय सभी पार्टियों लेने की कोशिश भी करती हैं लेकिन इन परियोजनाओं का इतिहास 100साल से भी अधिक पुराना है।इस इतिहास को जानकर यह समझा जा सकता है कि सपनों के फलीभूत होने में सैकड़ों साल की तपस्या शामिल होती है ।इसमें कोई एक व्यक्ति अकेला नहीं है,बल्कि सरकारों के निरंतर और सकारात्मक प्रयास हैं।हालांकि गुलाम भारत मे 1900 के दशक में एक अंग्रेज इंजीनियर आर्थर कॉटन ने भारत की नदियों को जोडने़ की कल्पना की थी । उसका उद्देश्य था कि नदियों के अतिरिक्त जल से बड़ी-बड़ी नहरें बनाकर जल मार्गों की वृद्धि की जा सकती है जिससे ब्रिटिश सरकार को व्यापारिक सुविधा मिलेगी तथा दक्षिण भारत के तथा उड़ीसा के सूखे से निपटा जा सकेगा और वहां पर अतिरिक्त जल भेज कर उत्पादन में वृद्धि भी की जा सकेगी ।किंतु इसमें आने वाले खर्च को देखकर ब्रिटिश हुकूमत भी आगे नहीं बढ़ी और यह ठंडे बस्ते में चली गई।देश आजाद हुआ और राष्ट्र निर्माण की योजनायें बननी शुरू हुई।गरीबी संसाधनों के अभाव और तकनीशियनों की कमी से प्रथमिकताये आगे बढ़ती गई।आजादी के लगभग 23 साल बाद जब इंदिरा जी की सरकार में डा़ के एल राव जो कि बांध बनाने वाले इंजीनियर थे,सिंचाई मंत्री बने तब उन्होंने आर्थर काटन के इस सपने से धूल झाड़ी और इंदिरा जी के सामने रखा।कांग्रेस ने 1970 में इस योजना को नये दृष्टिकोण से जीवित किया। डा. के एल राव की सोच थी कि जो हिमालयीन नदियां हैं उनमें ग्लेशियरों के पिघलने के कारण गर्मियों में अतिरिक्त जल होता है और बाढ़ आती है जबकि प्रायद्वीपीय नदियां गर्मियों में सूख जाती हैं और उनमें बरसाती मौसम में बाढ़ आती है अत- हिमालयीन नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों की आपस में जोड़ दिया जाता है तो सूखे के मौसम में जल की उपलब्धता बनी रह सकती है इसे इंटर-वेसिन रिवर लिंकिंग कहा गया। इंदिरा गांधी ने 1980 में इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए एनडीआरडी की रिपोर्ट तैयार करवाई ।इसकी वित्तीय व्यवस्था बनाने के लिए शुरुआत की गई और उन्होंने 1982 में नेशनल वाटर डेवलपमेंट अथॉरिटी का निर्माण किया यह नदी जोड़ो अभियान का पहला कदम था।इसके अंतर्गत इंटर-वेसिन नदियों को जोडने़ की योजनाओं पर कार्य शुरू हुआ । अध्धययन हुए रिपोर्टें तैयार हुई। जब 1999 में एनडीए की सरकार आई और अटल बिहारी बाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने इसे उलटकर योजना के पूरे स्वरूप को ही बदल दिया और इंटर-बेसिन परियोजनाओं को इंट्रा-वेसिन परियोजनाओं में बदल दिया किंतु 2003 तक यह विचार स्वरूप लेता इसके पहले ही 2002 में सुप्रीम कोर्ट में इसके विरोध में पीआईएल लग गई ।

-भूपेन्द्र गुप्ता-

इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को निकालना संभव नहीं

लेकिन हार के डर ने केजरीवाल को कर दिया है परेशान

दिल्ली में लगातार विधानसभा का चुनाव जीत रही आम आदमी पार्टी ने अब विपक्षी इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को ही बाहर निकालने की मांग कर दी है। हालांकि केजरीवाल की पार्टी की इस बेतुकी मांग पर अभी इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दलों की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन वास्तविकता तो सभी नेता जानते हैं। यहां तक कि विपक्षी गठबंधन से कांग्रेस को बाहर निकालने की मांग करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता भी इस बात को बखूबी जानते हैं कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन से बाहर भगाना संभव नहीं है। विडंबना देखिए कि, जिस विपक्षी इंडिया गठबंधन का गठन ही केंद्र से नरेंद्र मोदी सरकार को हटाने के लिए किया गया है। उस गठबंधन में लोकसभा में 3 सीट की हैसियत रखने वाली आम आदमी पार्टी 99 लोकसभा सांसदों वाली कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से बाहर निकालने की बेतुकी मांग कर रही है।

ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि देश की वास्तविक राजनीतिक परिस्थिति को समझने के बावजूद आम आदमी पार्टी इस तरह की बेतुकी मांग क्यों कर रही है ? इसके पीछे सबसे बड़ी वजह, दिल्ली में होने वाला विधानसभा चुनाव है। कहने को तो आप की सरकार दिल्ली और पंजाब यानी देश के दो राज्यों में है। ताकत और कामकाज के मामले में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त होने के कारण पंजाब में सरकार होने का अपना फायदा है लेकिन दिल्ली में उपराज्यपाल के ज्यादा मजबूत होने के बावजूद, यह राज्य केजरीवाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दिल्ली की हार केजरीवाल की पार्टी के अस्तित्व पर ही सवालिया निशान लगा देगी। अगर आप दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई तो पार्टी में एक बड़ी टूट होने का भी खतरा पैदा हो सकता है और इसी डर ने आप के नेताओं को बुरी तरह से डरा दिया है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि दिल्ली में लगातार तीन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर, सरकार बनाने वाली आप को हार का डर क्यों सताने लगा है ? वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें और वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में 70 में से 67 सीटें जीतने वाली आप को इस बार हार का डर क्यों सताने लगा है ?

दरअसल, वर्ष 2013 में दिल्ली में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी ने एक रणनीति के तहत पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह झाड़ू का चयन किया था। उस समय यूपीए सरकार के अंदर से लगातार आ रहे घोटालों

और भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाते हुए केजरीवाल ने कांग्रेस के वोट बैंक में भी सेंध लगा दिया था। अपने पहले ही चुनाव में आप ने दिल्ली की 70 में से 28 सीटों पर जीत हासिल करके सबको चौंका दिया था। 2013 के उस चुनाव में अंदरखाने आप की मदद कर, शीला दीक्षित को हराने में बड़ी भूमिका निभाने वाले कुछ कांग्रेसी नेताओं ने दिल्ली कांग्रेस नेताओं के मना करने के बावजूद आप को समर्थन देकर , केजरीवाल को मुख्यमंत्री बना दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस लगातार कमजोर होती चली गई। कांग्रेस के वोट बैंक पर पूरी तरह से आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया। शीला दीक्षित ने अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली में कांग्रेस के पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर दिया था। उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को मजबूती से कांग्रेस के साथ जोड़ दिया था। झुग्गी-झोपडी में रहने वाले लोगों के साथ-साथ मुसलमान भी मजबूती से कांग्रेस के साथ जुड़ गए थे। लेकिन धीरे-धीरे इन सभी मतदाताओं को आप ने अपने पाले में कर लिया। केजरीवाल ने मुफ्त बिजली और पानी देकर दिल्ली के झुग्गीवासियों और मिडिल क्लास को साध लिया। फ्री डीटीसी सफर की सुविधा देकर महिला मतदाताओं को लुभा लिया। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और यूपी के लोगों को भी तवज्जों देकर एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर लिया। भाजपा को हराने के नाम पर मुस्लिम मतदाता भी केजरीवाल के साथ जुड़ गए।

कांग्रेस उलझन और ऊहापोह की स्थिति के कारण अपने इसी वोट बैंक को पूरी तरह से आम आदमी पार्टी से छीन नहीं पा रही थी क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को समझ ही नहीं आ रहा था कि वे आप को दोस्त माने या दुश्मन। दिल्ली में लड़ रहे कांग्रेसी नेताओं का भी अपने ऊपर से भरोसा ही उठ गया था कि वे केजरीवाल से लड़ भी सकते हैं और यही बात आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ा वरदान था।

लेकिन इस बार जिस अंदाज में अजय माकन ने सीधे-सीधे अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला,युवा कांग्रेस ने संसद मार्ग थाने जाकर उनके खिलाफ शिकायत दी और कांग्रेस ने नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतार दिया, उससे आप के मुखिया बुरी तरह से डर गए हैं। आप को यह लगने लगा है कि अगर कांग्रेस दिल्ली में पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ती है तो आप के लिए चुनाव जीतना मुश्किल ही नहीं नामुकिन हो जाएगा। यह भी कहा जा रहा है कि नई दिल्ली के मतदाताओं को यह लगने लगा है कि उन्होंने शीला दीक्षित को 2013 में विधानसभा चुनाव में हराकर गलती की थी और अब वह उनके बेटे संदीप दीक्षित को जीताकर अपनी 2013 की गलती का प्रायश्चित 2025 में करना चाहती है। अरविंद केजरीवाल अगर खुद की विधानसभा सीट हार जाते हैं तो उनके लिए इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ और नहीं हो सकता है। इसलिए उन्होंने राहुल गांधी, अजय माकन, कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस उम्मीदवारों के दिलों-दिमाग पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने के लिए यह बेतुकी मांग करनी शुरू कर दी है। यहीं पर राहुल गांधी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यह देखना होगा कि दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत बनाने के मिशन में जुटे नेताओं का राहुल गांधी खुल कर और पूरी मजबूती के साथ, साथ दे पाते हैं या नहीं ?

-संतोष पाठक-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मुफ्त की चुनावी घोषणाएं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढने़ वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते।

इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था।

चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को ÷फ्री की रेवड़ी÷ कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा,तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है।÷ वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है।

भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया।

नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया कि वो सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह-मशविरा कर एक आचार संहिता बनाए। इसके बाद 2015 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता जारी भी की, लेकिन उसके बावजूद चुनावों में फ्रीबीज का ऐलान होता ही रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस- अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं। होना तो यह चाहिए कि कोई राजनीतिक दल जब ऐसी मुफ्त की चुनावी घोषणाओं का ऐलान करे तो साथ ही यह भी बताए कि इसके लिए धन का इंतजाम कैसे किया जाएगा। मसलन इसके एवज में करदाताओं पर कितना बोझ पड़ेगा। जब तक हिसाब-किताब पारदर्शी नहीं होगा तब तक ऐसी योजनाओं देश पर बोझ साबित होती रहेंगी।

-योगेन्द्र योगी-

कविता
मनमोहन तुम्हें शत्-शत् प्रणाम

घटती-घटना
रवीन्द्र कुमार शर्मा
बिलासपुर,हिमाचलप्रदेश

दस साल रहे देश के प्रधानमंत्री
न वह शानो शौकत न सत्ता का नशा
चला गया चुपचाप
किसी को कोई खबर नहीं
बहुत अजीब है
आजकल की पत्रकारिता की दशा
कब बीमार हुआ
किसी को कोई खबर नहीं
मीडिया व्यस्त रहा
किसी की छवि चमकाने में
जिस अर्थशास्त्री ने
भारत की दिशा बदल डाली
बेखबर रहा उसकी
छोटी सी खबर बताने में
सादगी से भरपूर तामझाम से दूर
रखते थे अपने काम से काम
देखने में साधारण और बहुत भोले
लेकिन दुनियां में था उनका बड़ा नाम
आर्थिक सुधारों से बदली
भारत की तस्वीर
भारत का दुनियां में नाम चमकाया
आज के नेताओं से
अलग था उनका चरित्र
सादगी और ईमानदारी को
जीवन में अपनाया
रखेगा हमेशा याद भारत तुम्हारा योगदान
जब विश्व में थी मंदी
तब भारत ने कसी थी लगाम
चल रहा आज भारत
आपकी दिखाई राह पर
भारत की महान हस्ती
मनमोहन तुझे शत शत प्रणाम

आजाद भारत के इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी

यथा राजा तथा प्रजा, हम हिंदुओं का शाश्वत सूत्र वाक्य है। तभी जैसा मोदी राज वैसे ही संसद, संविधान, कोर्ट-कचहरी, विपक्ष, मीडिया आदि उन तमाम संस्थाओं का आज व्यवहार है, जिससे देश, कौम, नस्ल, धर्म, सभ्यता की वह शर्म है जो आजाद भारत के इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी। ईमानदारी से सोचें, सन् 2014 में निर्वाचित संसद के काम से लेकर इस सप्ताह की संसदीय घटनाक्रम में ऐसा तनिक भी कुछ है जैसा कांग्रेस, विपक्ष या वाजपेयी राज में था?तब की संसद कैसी थी, कैसे चलती थी और वही अब मोदी राज की संसद का क्या अनुभव है?जाहिर है जैसा प्रधानमंत्री, वैसा राज और वैसे ही बाकी सब। जैसा मोदी राज है वैसा विपक्ष है। और दोनों में इतनी भी समझ नहीं कि संसद और उसका परिसर पूरे भारत, पूरे देश के प्रतिनिधित्व का विशेषाधिकारपूर्ण गरिमामय स्थान है।जैसे लाल किले के बादशाह का दरबार ए खास या दरबार ए आम हुआ करता था।उस स्थान पर यदि पानीपत के मैदान वाली लड़ाई की शत्रुता में लाठियां (तख्तियां, भीड़) लेकर सांसद लड़े और उसके फैसले में चांदनी चौक का कोतवाल जाचंकर्ता हो तो वह कौम के लिए शर्म, कलंक, डूब मरने वाली क्या स्थिति नहीं है?ऊपर से हुजूर (आज के नरेंद्र मोदी), उनके वजीर खुद ही संसद की तौहीन व अपमान के लिए कोतवाल को बुलाकर उसके कान में फुसफुसा कर कहें यह मेरा विरोधी है, इस पर चार्जशीट बनाओ और कचहरी से जेल में बंद करवा दो।सोचें, संसद और उसके सांसद कानून बनाने वालों के लिए उसी की व्यवस्था में, कानूननिर्माताओं की जगह में सांसदों के व्यवहार का जांतकर्ता, निर्णयकर्ता एक कोतवाल! लंदन की संसद, वेस्टमिनिस्टर या दुनिया के किसी भी सभ्य लोकतंत्र में यह नजारा कभी देखने को नहीं मिला (और न मिलेगा) कि सांसदों की भीड़ में धक्कामुक्की हुई, तो प्रधानमंत्री के सांसद तुरंत बगल की कोतवाली जा कर एफआईआर कराएं!दुनिया वीडियो पर यह नौटंकी देखे कि सिर पर एक चिपी, फिर पट्टी, फिर पूरा सिर मानो ऑपरेट हुआ हो जैसा बड़ा पट्टा

दिखला नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ कोतवाल द्वारा ताउम्र कैद की तमाम धाराओं में जांच !सोचें, लाल किले के किस मुगल बादशाह या नेहरू से ले कर डॉ. मनमोहन सिंह के राज में ऐसा हुआ?खुद सत्तापक्ष अपनी ही विधायिका के सांसदों के झगड़े, धक्कामुक्की की कोतवाल के यहां रिपोर्ट दर्ज कराते हुए! यदि निर्वाचित सरकार, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की एक संसद की प्रक्रिया को भी शांतिपूर्ण ढंग से नहीं चलवा पाए, विपक्ष के शोर-गतिरोध और प्रर्दशन का समाधान बातचीत से नहीं निकाल पाए तो यह किस बात का प्रमाण है?मोदी सरकार द्वारा चरित्र, बुद्धि और अपना कलंकित इतिहास बनाने का! तब संसद, संसदीय प्रक्रिया, नियमावली, स्पीकर, सभापति, उप सभापति, संसद नेता और प्रतिपक्ष नेता, संसदीय परिसर के कारिंदों आदि सबका क्या अर्थ है?उफ! बुद्धि, दिमाग, बेशर्मी और अहंकार। मुझे बहुत झटका लगा जब सुना कि धक्कामुक्की हुई और नेता प्रतिपक्ष को टारगेट बना कर सरकार के सांसदों ने कोतवाल के यहां जा कर शिकायत दर्ज कराई !क्या पतन है नेहरू राज से मोदी राज का! कल्पना करें ऐसा ही वाकया यदि वाजपेयी-आडवाणी के राज में हुआ होता?पहली बात वे अपनी संसद में ऐसी नौबत नहीं आने देते कि पचास-पचपन साल के विधायिकी अनुभवी वाले सांसदों के मुंह से यह शिकायत सुनाई दे कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता! उनके माइक बंद हो जाते हैं !उनके मुद्दे, नोटिस, बहस की मांग नहीं मानी जाती आदि, आदि। दूसरी बात, वाजेपयी और आडवाणी दोनों नेता विपक्ष को बुलाकर मंत्रणा, मान मनौव्वल, मनाने या उनकी मांग मानने के लिए हमेशा तत्पर हुआ करते थे।मुझे ध्यान है कि वाजपेयी राज में संसद भवन में सावरकर की तस्वीर लगी तो पूरे विपक्ष का जबरदस्त गुस्सा था, मगर बात का बतंगड़ नहीं हुआ जो अंबेडकर के मौजूदा बवाल में हुआ है।वाजपेयी राज में भाजपा राज की संसद ने सावरकर की तस्वीर लगाई तो लगाई।यह नहीं हुआ कि विपक्ष की आपत्ति पर भाजपा के सांसदों ने सावरकर के प्रति कांग्रेस सरकारों की उपेक्षा की तख्तियां ले कर तब की नेता विपक्ष सोनिया गांधी का रास्ता रोकने का हंगामा किया।और यह तो कल्पना ही नहीं संभव जो सत्ता पक्ष के सांसद को चोट लगे तो आडवाणी अपने सांसदों से कोतवाली जा कर शिकायत कराएं कि सोनिया गांधी ने धक्का दिया और हमारा बुजुर्ग सांसद घायल हुआ। एफआईआर दर्ज करो तथा सोनिया गांधी को तलब करो !सो, यथा राजा तथा भाजपा। यथा राजा तथा सरकार। यथा राजा तथा संसद। यथा राजा तथा मीडिया। यथा राजा तथा सुप्रीम कोर्ट। यथा राजा तथा विदेश नीति।यथा राजा तथा विकास। यथा राजा तथा समाज! यथा राजा तथा धर्म। हां, हम हिंदुओं के धर्म का भी नया बना इतिहास देखिए कि प्रधानमंत्री भगवान राम की उंगली पकड़ उन्हें उनके मंदिर में बैठा रहे हैं वही सहस्त्राब्दियों पुरानी सनातन परंपरा के कुंभ मौके का एक मुख्यमंत्री ऐसा हल्ला बना रहे हैं, मानों नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ नहीं होते तो ऐसा कुंभ नहीं होता !तभी 140 करोड़ लोगों की प्रतिनिधि संसद के सदाचार, कदाचार में क्या सच, क्या झूठ का दारोमदार अब कोतवाल के सुपुर्द है। तब यह कल्पना असंभव नहीं है जो कोतवाल रिपोर्ट करे कि संसद गुंडों की है।संसद में गुंडई होती है और तब प्रधानमंत्री, गृह मंत्री सुरक्षा के नाम पर स्पीकर और सभापति, उप सभापति के पदों को उन सख्त आईपीएस कोतवालों के लिए आरक्षित करें, जिन्हें आसन पर देख कर सारे सांसद फौज के अनुशासित सैनिकों की तरह संसद में व्यवहार करें।अच्छा ही है, हिंदूशाही के नाम पर मोदी राज को यह भी कर लेना चाहिए!

-हरिशंकर व्यास-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

तेज रफ्तार माजदा ट्रक सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में घुसी, ड्राइवर की मौत

» दो घंटे मशक्कत के बाद वाहन में फंसे शव को निकाला गया

- संवाददाता -
उदयपुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नेशनल हाईवे 130 पर गुरुवार की देर रात उदयपुर थाना से 500 मीटर की दूरी पर भीषण सड़क हादसे में स्वराज माजदा वाहन चालक की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि माजदा का इंजन ट्रेलर के पिछले हिस्से में घुस गया, और चालक वाहन में फंसकर चिपक गया। सूचना पर पहुंची गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी व अन्य वाहनों की मदद से दो घंटे के मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात ट्रेलर क्रमांक सीजी 22 वाई 6404 का ब्रेक फेल हो गया था। इस लिए वाहन एनएच 130 पर सोनतराई और डूमरडीह के बीच ट्रक था। रात करीब 11.30 बजे अंबिकापुर से बिलासपुर जा रहा स्वराज माजदा ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 2154 का चालक वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसा। हादसा इतना भयावह था कि माजदा का इंजन ट्रेलर के पिछले हिस्से में घुस गया और माजदा का चालक ग्राम तमया थाना सन्ना जिला जशपु निवासी गणेश यादव वाहन में फंसकर चिपक गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर अपनी टीम और स्थानीय सेवाभावी लोगों के साथ मौके पर पहुंचीं।

काफी मशक्कत के बाद निकाला गया शव

घटना की जानकारी मिलने पर उदयपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच की। वाहन में फंसे शव को निकालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। शव को निकालने के लिए दो जेसीबी और अन्य बड़े वाहनों की मदद ली गई। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद माजदा ट्रक के चालक गणेश यादव के शव को वाहन से निकाला गया और 112 की मदद से उदयपुर अस्पताल में भेजा गया। घटना के बाद सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, जिससे स्थिति जाम जैसी हो गई। रात करीब 11.30 से 1.30 बते तक शव निकालने का काम चलता रहा। इसके बाद जाम हटाया गया।

क्षेत्र में बढ़ते हादसों से दहशत

दिसंबर महीने में उदयपुर थाना क्षेत्र में सडक़ दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। हाल ही में हुई तीन-चार दर्दनाक घटनाओं ने लोगों को भयभीत कर दिया है। क्षेत्रवासियों ने सडक़ सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर प्रशासन से कड़े कदम उठाने की मांग की है।

पीएम के दौरान अंगूठी चोरी होने का आरोप

सूचना पर मृतक के परिजन उदयपुर अस्पताल पहुंचे। परिजन ने शव को देखा तो पता चला की उसके अंगूली से सोने की अंगूठी गायब है। परिजन ने मामले की शिकायत उदयपुर पुलिस को दी है। परिजन ने पीएम कर रहे स्वीपर पर अंगूठी चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस स्वीपर से पूछताछ कर रही है।

पति की हत्या के मामले में पत्नी गिरफ्तार,करता था चरित्र शंका

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नर्मदापुर में एक महिला ने टांगी से हमलाकर पति की हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार बली राम माझी उम्र 28 वर्ष कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नर्मदापुर का रहने वाला था। 25 दिसंबर की रात को दोनों आपस में बैठकर शराब पी रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर बली राम की पत्नी नईहारो बाइ ने घर में रखे टांगी से पति के ऊपर ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दी। पति की हत्या करने के बाद महिला मौके से फरार हो गई। वहीं सूचना पर कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पति की हत्या करने के बाद नइहारो मौके से फरार हो गई थी। पुलिस ने घटना के दूसरे दिन उसे गिरफ्तार किया है। वह पुलिस को बताया कि उसका पति उसपर चरित्र शंका करता था। किसी गैर मर्द से अवैध संबंध का आरोप लगाकर अक्सर मारपीट व विवाद करता था। घटना दिवस भी शराब पीने के दौरान चरित्र शंका को लेकर विवाद शुरू हो गया था।नईहारो बाई अपने पति के साथ अकेली रहती थी। दोनों का कोई संतान भी नहीं थे। वहीं पुलिस ने पति की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टांगी जब्त किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर निरीक्षक भरत लाल साहू, प्रधान आरक्षक अखिलेश भगत, महिला आरक्षक डायमंड सिंह, आरक्षक परवेज फिऱदौशी, देवदत्त सिंह शामिल रहे।

अधिक मजदूरी का लालच देकर 6 बच्चों को ले जाया जा रहा था यूपी,तीन गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

तीन दिन पूर्व उदयपुर थाना क्षेत्र से 4 नाबालिग लड़कियों व लडक़ों को उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था। इन्हें वहां अधिक मजदूरी दिलाने का लालच दिया गया था। मामले में उदयपुर पुलिस ने नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया था। मामले में उदयपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश अम्बेडकरनगर ग्राम पारुदेवा थाना भीटी निवासी रामजीत प्रजापति 24 दिसंबर को उदयपुर के ग्राम सेमीघोघरा पंडोपारा आया था। यहां से वह चार नाबालिग लड़कियों व दो लडक़ों को ईंट भट्टे में काम करने के लिए ले जा रहा था। रामजीत प्रजापति द्वारा बच्चों को अधिक मजदूरी दिलाने का झांसा दिया था। इसकी जानकारी उदयपुर थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर को हुई थी। वह टीम के साथ रेस्क्यू कर सभी नाबालिग बच्चों को बरामद किया था और रामजीत प्रजापति को हिरासत में लिया था। इससे पूछताछ के बाद पुलिस ने मामले में संलिप्तता पाए जाने पर राजेश चौहान उम्र 23 वर्ष निवासी तेंदुटिकरा उदयपुर व मंगलू राम पाण्डो उम्र 48 वर्ष निवासी सेमीघोघरा सन्नीबर्रा पंडो कॉलोनी थाना उदयपुर को हिरासत में लिया था। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 143(5)के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अस्पताल के जनरेटर से बैटरी चोरी,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच भवन के लिए लगे जनरेटर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा 24 दिसंबर की रात को बैटरी चोरी कर ली गई थी। रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 24 दिसंबर की रात को अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच भवन के लिए लगाए गए जनरेटर से बैटरी चोरी कर ली गई थी। अस्ताल के कर्मचारी अमित शुक्ला ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। इसी बीच 25 दिसंबर को जिला अस्पताल का सिक्यूरिटी गार्ड एक संदेही को पकडक़र पुलिस को सौंपा था और उसपर बैटरी चोरी करने का संदेह जताया था। पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो वह जनरेटर बैटरी चोरी करने की बात स्वीकार की और बैटरी को झाड़ी में छुपाकर रखना बताया। जिसे पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी

राजेन्द्र कश्यप उफ राजू पिता बैजनाथ कश्यप उम्र 34 वर्ष निवासी दर्रीपारा सामुदायिक भवन के पीछे थाना मणीपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

ज्योत्सना ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर किया नाम रोशन

- सवाददाता -
अंबिकापुर, 27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ज्योत्सना ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपना ही नहीं बल्कि अपने पूरे परिवार का नाम रोशन किया है। ज्योत्सना ने होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ाई करने के बाद चार्टर एकाउंटेंट के लिए पूरी मेहनत से प्रयास किया। दिन रात की मेहनत और लगन के बाद आखिरकार ज्योत्सना ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। ज्योत्सना ने बताया कि उसने काफी समय तक रायपुर में रहकर सीए की तैयारी की थी। ज्योत्सना साहू भाजपा के प्रयागराज साहू की पुत्री और सीतापुर निवासी इलू गुप्ता की धर्म पत्नी है।

नवा बिहान नशा मुक्ति टीम को कार्ययोजना बनाकर नए वर्ष से करना होगा सघन कार्यक्रम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में सरगुजा पुलिस अधीक्षकयोगेश पटेल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के कार्यों की समीक्षा सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल की उपस्थिति में किया गया।नवा बिहान समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा ने वर्ष 2024 के दौरान किए गए कार्यों को आंकड़ों सहित प्रस्तुत किया। वरिष्ठ समाज सेवी अजय तिवारी आर्ट ऑफ लिविंग ने कहा कि बेहतर परिणाम के लिए हमें पूर्व माध्यमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं को भी जागरूक करना होगा। वरिष्ठ समाज सेविका वन्दना दत्ता ने सुझाव दिया कि सार्वजनिक स्थलो तथा चिन्हांकित हॉट स्पॉट में दबिश देने की जरूरत है। वरिष्ठ समाज सेवी संयोजक नवा बिहान मंगल पाण्डेय ने सुझाव दिया कि अन्य सम्बंधित विभागों के परस्पर समन्वय से नशा मुक्त समाज बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। ब्रम्हकुमारी विद्या बहन ने कहा कि अभिभावकों,वरिष्ठ जनों,राजनैतिक प्रतिनिधियों एवं मीडिया को बेहतर परिणाम के लिए साथ लेकर आगे बढना होगा। नवा बिहान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केन्द्र के मार्गदर्शक सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने कहा कि वर्ष 2025 के प्रारम्भ से ही आप सभी के सुझावों को दृष्टिगत रखते हुए नई कार्ययोजना बनाकर नशा मुक्ति अभियान को बेहतर परिणाम के लिए हम सभी मिलकर क्रियान्वित करेंगे। समीक्षा बैठक में नवा बिहान के वरिष्ठ सदस्य संतोष दास,सुनिधि शुक्ला,हेना खान,रश्मि सोनी,रणधीर सिंह,अमृता जायसवाल,सुनीला सिंह ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की।

पटवारियों के हड़ताल से कामकाज हुआ ठप्प

- संवाददाता -
बतौली-सेदम,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बतौली में पटवारियों की ऑनलाइन अनिश्चितकालीन हड़ताल चल रही है। जिसके कारण कार्यालयों में कामकाज पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। वहीं इस हड़ताल के चलते क्षेत्र के लोगों को काम कराने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पटवारियों ने शासन से ऑनलाइन कार्य करने राशि की मांग को लेकर ऑनलाइन कार्य करना बंद कर दिए हैं।

दरअसल,15 दिसंबर को छत्तीसगढ़ प्रदेश पटवारी संघ पूरे प्रदेश में ऑनलाइन कार्य नहीं करने हड़ताल की घोषणा की थी। जिसका बतौली के पटवारियों ने भी समर्थन दिया है। वहीं पटवारियों के इस हड़ताल के कारण खसरा, विवन, डिजिटल सिग्नेचर, धान बेचने, रकबा में सुधार जैसे काम प्रभावित हो रहे है। लोग अपने कामों को पूरा कराने के लिए पटवारी दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर है।

ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार

प्रदेशभर के 5 हजार पटवारी इन दिनों ऑनलाइन काम ठप कर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर हैं। उनके इस बस्ताबंद आंदोलन से लोग नक्शा, खसरा के लिए भटक रहे हैं। यही नहीं, बटांकन और नामांतरण का कार्य भी इससे प्रभावित हुआ है। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर राज्य के पटवारी 16 दिसंबर से आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराने के विरोध में सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों और प्रशिक्षण का बहिष्कार कर विरोध जता रहे हैं। दरअसल, वर्तमान में राजस्व संबंधी सभी कार्यों को भुइंया पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया गया है, इसके अलावा अधिकतर कार्य जैसे कृषि संगणना, फसल कटाई प्रयोग भी ऑनलाइन मोबाइल एप अथवा कंप्यूटर के माध्यम करना होता है।

राजख पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रांत अध्यक्ष भागवत कश्यप का कहना है, ऑनलाइन कार्यों के लिए आज तक प्रदेशभर पटवारियों को किसी भी प्रकार का संसाधन और संसाधन भत्ता उपलब्ध नहीं कराया गया है। उसके बाद भी पटवारियों द्वारा नौकरी बचाने मजबूरी में निजी अथवा किराये के संसाधन से कार्य का संपादन किया जाता रहा है। राजस्व पटवारी संघ ने कई बार शासन तक अपनी समस्या पहुंचाई, पर अब तक किसी तरह की पहल नहीं होने से प्रदेशभर के हजारों पटवारी निराश हैं। समस्या का निराकरण नहीं होने की स्थिति में हमने 16 दिसंबर से सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार कर दिया है। साथ ही वे सभी सरकारी व्हाट्सग्रुप से लेफ्ट हो गये हैं। इससे राजस्व महकमा का ऑनलाइन कार्य गड़बड़ा गया है।

धान खरीदी का रकबा बढ़ेगा, सुधार कार्य प्रभावित

पटवारियों की बस्ताबंद हड़ताल से ऑनलाइन सुधार का कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रदेशभर में कई जगहों पर वर्तमान में धान खरीदी चल रही है। किसान का इस बार रकबा बढ़ेगा, पटवारियों ने काम बंद कर दिया है, इसलिए ऑनलाइन कार्य प्रभावित हो सकता है। इसी तरह डिजिटल सिग्नेचर नहीं होने से प्रिंट नहीं निकलेगा।

30 साल से नहीं मिली पदोन्नति,पटवारी नाराज

प्रदेशभर के पटवारियों की सबसे बड़ी नाराजगी इस बात को लेकर है कि पिछले 3 दशक से पटवारियों को पदोन्नति नहीं दी गई। इसके कारण वे बिना पदोन्नति पाये सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जबकि दूसरे विभागों में ऐसी स्थिति नहीं है। पटवारियों ने पदोन्नति की मांग प्रमुखता से उठाई है। अपनी लंबित मांगों की अनदेखी से नाखुश पटवारी प्रति सोमवार ब्लैक ड्रेस के साथ विरोध जता रहे हैं।

नि-क्षय सूरजपुर के लिए अंतर विभागीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

– संवाददाता –
सूरजपुर, 27 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

नि-क्षय निरामय कार्यक्रम के अंतर्गत होटल आदित्या में अन्तर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन लेप्रा सोसाइटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में स्टेक होल्डर्स का सेंसटाइजेशन एवं एसीएफ, 100 दिवसीय कैंपिंग में शिविर केवीपी मेपिंग अन्य स्वास्थ्य संबंधी सुझाव डाटा लिया जा सके जिसमें शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनिज विभाग,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मितानिन कार्यक्रम,पिरामल फाऊंडेशन आदि संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर एस सिंह महासचिव इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लिए सामुदायिक सहभागिता अति आवश्यक है। जिसके लिए विभिन्न विभागों से तालमेल और बेहतर समन्वय बनाने की आवश्यकता है। जो भी विभाग अपनी आंतरिक बैठक करता है उसमें टीबी मुक्त पंचायत के मापदंडों पर अवकाश चर्चा करें इससे सम्भावित टीबी पेसेंटों की पहचान करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ कपिलदेव पैकरा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि टीबी हारेगा देश जीतेगा इसके लिए सभी विभागों का समन्वय होना अति आवश्यक है। जनभागीदारी जितना बढ़ेगा उतनी अधिक सफलता मिलेगी। विभाग के द्वारा क्रियान्वित गतिविधियों को सभी गम्भीरता से लेते हुए कार्य करना है। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि श्रीमती लता बेक संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग ने कहा कि टीबी की बिमारी संक्रमण से फैलती है और इस संक्रमण से बचने के लिए हमें अपने पड़ोस पर ध्यान देना होगा। पड़ोसी खांसता है तो उसका जांच जरूर करवाएं। डॉ प्रिंस जायसवाल जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि टीबी मुक्त भारत की समीक्षा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ जे पी नड्डा स्वयं कर रहे हैं । आप सोच सकते हैं कि यह कार्यक्रम कितना महत्वपूर्ण है। टीबी मुक्त सूरजपुर के लिए हमें पूरी तन्मयता के साथ कार्य करना होगा। नि क्षय निरामय कार्यक्रम के तहत सौ दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी को सहयोग करना है। जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ जे एस आर सरूता ने कहा कि हम एक कार्यो योजना बना कर कार्य करना होगा। अपने समय का किमत समझे एक पल भी बेकार न जाने दें। लेफरा सोसायटी के राज्य कार्यक्रम परियोजना विशेषज्ञ सूरज बघेल ने कहा कि हाई रिस्क कम्यूनिटी, हाई रिस्क एरिया का पहचान कर उक्त क्षेत्र में विशेष फोकस करने की आवश्यकता है। जैसे नशीले पदार्थ का सेवन करने वाले लोग अथवा समुदाय, खनिज, फैक्ट्री क्षेत्र, आदि। जिला क्षय उन्मूलन केन्द्र के संजीत कुमार ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर भी अन्तर विभागीय बैठक का आयोजन हो और समीक्षा हो , नि-क्षय दिवस के महत्व को बारम्बार बताएं, जन आरोग्य समिति बैठक में टीबी का चर्चा करना है। कार्यक्रम का संचालन पिरामल फाऊंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक राज नारायण द्विवेदी ने किया। सुरेश कुमार गुप्ता जिला कुष्ठ सलाहकार ने कहा कि टीबी के साथ साथ कुष्ठ रोगियों का भी पहचान कर चिन्हांकन करें। आभार प्रदर्शन रितेश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में खण्ड़ चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित भगत, जनेश्वर सिंह खण्ड़ कार्यक्रम प्रबंधक सखन राम आयाम , सुभाष यादव, निलेश दुबे, कविता गुप्ता, कविर सिंह, राम विलास सिंह,निरेश दुबे मदनलाल, पीएन साहु, वंदना जायसवाल अर्चना कुशवाहा, आसमां खान गोविंद राम, सुखमनीया प्रजापति, पार्वती नाविक फूलमती यादव आदि उपस्थित रहे।

4729 अप्रारंभ पीएम आवास का सुशासन दिवस पर किया गया भूमि पूजन,सभी के निर्माण कार्य का एक साथ शुभारंभ

» पीएम आवास निर्माण में शटरिंग प्लेट की आवश्यकता को स्व सहायता समूह की दीदियां करेंगी पूरी

» जानकी एसएचजी की दीदियों को एनआरएलएम द्वारा 100 शटरिंग प्लेट उपलब्ध करायी गयी

– संवाददाता –
सूरजपुर,27 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में जिले में नई पहल करते हुए पीएम आवास निर्माण एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह को लिंक करने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल के तहत पीएम आवास निर्माण में शटरिंग प्लेट की आवश्यकता को पूरी करने की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूह की दीदियों को दी गई है ताकि इन समूहों द्वारा सामान की आपूर्ति कर अपनी आय अर्जित किया जा सके। इसके लिए प्रारंभिक स्तर पर जानकी स्वयं सहायता समूह को, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) द्वारा 100 शटरिंग प्लेट (लोन के माध्यम से) उपलब्ध कराया गया है। जिसका उद्देश्य स्व सहायता समूह की दीदियों को निर्माण के क्षेत्र में आगे लाना है।

गौरतलब है कि विगत 25 दिसंबर सुशासन दिवस के अवसर पर जिला सूरजपुर के रामनगर में आयोजित कार्यक्रम में अप्रारंभ प्रधानमंत्री आवास का, मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधि विधान से भूमिपूजन कराया गया, इसके साथ ही जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में एक साथ 4729 आवासों के निर्माण कार्य का शुभारंभ भी हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा इसे शीघ्र ही मूर्त रूप देने की दिशा में योजनाबद्ध कार्य योजना भी बनायी गई है, आवास मित्रों के माध्यम से निर्माण कार्य की सतत मॉनीटरिंग की जायेगी। सूरजपुर जिले में 27842 प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये निर्माण संबंधित उत्पाद की बड़े पैमाने पर आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति करने की जिम्मेदारी जानकी स्वयं सहायता समूह सहित अन्य समूहों को दी गई है जिसके अंतर्गत 312 सेट शटरिंग प्लेट के माध्यम से समूह की महिलाएं आवास निर्माण में सहयोग कर रही हैं

गौरतलब है कि पीएम आवास के अलावा भी समूह की दीदियां शटरिंग प्लेट को अन्य जगहों जहां भी निर्माण कार्य चल रहा है वहां भी किराए पर दे सकती है। प्रति शटरिंग प्लेट 05 रुपये की राशि प्रति दिन के लिये निर्धारित की गई है। जो निस्संदेह उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने के लिए अपना योगदान देगी। शटरिंग प्लेट के नवाचार से शासन की योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वन करने के लिए न केवल बेहतर विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं बल्कि इससे महिलाओं को एक ऐसे सफल व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है जो उन्हें लखपति दीदी की श्रेणी में शीघ्र स्थापित करेगा।

जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर अवैध धान को लेकर की गई कार्यवाही

– संवाददाता –
सूरजपुर,27 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

विगत दिवस कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश पर राजस्व, खाद्य विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न स्थानों पर अवैध धान को लेकर कार्यवाही कर हुए धान जब्त की गई साथ ही अवैध धान मामले पर एक राइस मिल को रीसाइक्लिंग की आशंका पर सील किया गया। गौरतलब है कि जिले में किसानों से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में अवैध धान को लेकर भी जिला प्रशासन लगातार कार्यवाही कर रहा है ताकि किसी भी प्रकार से अवैध धान की बिक्री धान खरीदी केंद्रों में ना की जा सके। इसी क्रम में राजस्व एवं खाद्य विभाग की टीम ने टुकुड़ांड समिति से 97 बोरी पुराना धान ले जाने की कोशिश पर धान ज़ब्त करने की कार्यवाही करते हुए प्रबंधक के सपुर्द किया गया । साथ धान किसान के पास नहीं होने की सहमति देने के बाद किसान से रकबा समर्पण भी कराया गया।

इसके अलावा एक अन्य मामले में बर्बरीक एग्रो प्रतापपुर के द्वारा 240 क्विंटल धान दो गाड़ी में संदेहास्पद स्थिति में पकड़ा गया है। जिले के ग्राम केशवपुर तहसील रामानुजनगर में ट्रक में अवैध धान का परिवहन करते पाए जाने पर 300 बोरी लगभग 120 क्विंटल धान जब्त कर थाना रामानुजनगर को सुपुर्द किया गया। इसके अलावा अवैध परिवहन होते पाए जाने पर रीसाइक्लिंग की आशंका पर जिले के मनोकामना राइस मिल सील किया गया तथा वाहन को धान सहित ज़ब्त दिया गया है।

सूरजपुर पुलिस ने जुआ खेल रहे 9 जुआड़ियों को किया गिरफ्तार

» 92 हजार 9 सौ 70 रूपये, मोबाईल, बाईक किया जप्त

– संवाददाता –
सूरजपुर,27 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध बड़ी तत्परतापूर्वक लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी बीच दिनांक 26.12.2024 के रात्रि में थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम धनेशपुर में जुआड़ी हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है।

सूचना से एसएसपी सूरजपुर को अवगत कराए जाने पर उन्होंने पूर्ण सावधानी के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाना सूरजपुर की पुलिस टीम के द्वारा ग्राम धनेशपुर में घेराबंदी कर 6 जुआड़ी (1) गनपत पिता गोविन्द्र प्रसाद उम्र 30 वर्ष ग्राम शिवपुर, थाना रामानुजनगर (2) संकलित साहू पिता स्व. जयलाल साहू उम्र 34 वर्ष ग्राम उमापुर, थाना रामानुजनगर (3) बाबुनाथ कुशवाहा पिता स्व. हीराधन उम्र 45 वर्ष ग्राम भुनेश्वरपुर, थाना रामानुजनगर (4) श्यामले राजवाड़े पिता कोमल उम्र 33 वर्ष ग्राम मांजा, थाना रामानुजनगर (5) ज्ञानेन्द्र साहू पिता तिलकधारी साहू उम्र 35 वर्ष ग्राम खाड़ा, थाना पटना, जिला कोरिया (6) विवेक मिश्रा पिता बालमिकी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम महलपारा, थाना बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया को जुआ खेलते रंगे हाथों धर दबोचा, जुआड़ियों के पास व जुआ फड़ से 92970 रूपये जप्त किया गया। मौके से जुआड़ियों के 5 नग मोबाईल, 3 नग मोटर सायकल भी जप्त किया गया है। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस टीम के द्वारा की गई।

रजिस्ट्रार एवं राज्य समन्वयक देश का प्रकृति परीक्षण अभियान डॉ संजय शुक्ला ने वॉलेंटियर के प्रति किया आभार प्रकट

» आयुर्वेद के लिए देश का प्रकृति प्रशिक्षण अभियान में पटना के डॉक्टर विवेक कुमार साहू ने 536 परीक्षण किया...

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान		
दिनांक 26.11.24 से 25.12.24 तक		
जिला - कोरिया (छ.ग.) दिनाँक- 25.12.24		
क्र.	चिकित्सक का नाम	प्रकृति परीक्षण की संख्या
1	डॉ विवेक कुमार साहू	536
2	डॉ प्रमोद [illegible]	[illegible]
3	डॉ राजेश सिंह यादव	311
4	डॉ राजकुमार शर्मा	290
5	डॉ जवाहर लाल यादव	270
6	डॉ बच्चा राम नायक	219
7	डॉ बिलेंद्र प्रताप सिंह	210
8	डॉ सौरभ सिंह	203
9	डॉ बृजेश कुमार गुप्ता	157
10	डॉ मनोज सिंह तोमर	134
11	डॉ जगत नारायण मिश्रा	124
12	डॉ एलवीना ग्रेस टोप्पो	104
13	डॉ दीपक सिंह	100
14	डॉ अरविन्द नारायण सिंह	64
15	डॉ प्रमोद पांडेय	52
16	डॉ करिश्मा एक्का	51
17	डॉ अशोक मिंज	30
	योग	3390

– संवाददाता –
बैकुंठपुर,27 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान का प्रथम चरण संपन्न हो चुका है। हर घर आयुर्वेद के उद्देश्य और संकल्प स्वास्थ्य का, आधार आयुर्वेद का ध्येय वाक्य को साकार करने के लिए किए गए इस अभियान ने पूरे देश और प्रदेश को एक सूत्र में पिरो दिया। आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए देश में हर घर आयुर्वेद और संकल्प स्वास्थ्य का आधार आयुर्वेद के तहत अभियान चलाया जा रहा है जिसमें सभी का परीक्षण किया जा रहा है इस प्रशिक्षण में पटना के डॉक्टर विवेक कुमार साहू ने अभी तक 536 परीक्षण किया।

डॉक्टर विवेक साहू ने बताया की छत्तीसगढ़ आज अत्यन्त अल्हादित और गौरवान्वित है कि उनके आयुर्वेद के सपूतों ने पूरे देश में इस राज्य का परचम लहराया है। छत्तीसगढ़ राज्य के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारत सरकार से लेकर राज्य सरकार के आयुष से जुड़े नीति-नियंताओं द्वारा प्रदेश के कीर्तिमान की खुले दिल से प्रशंसा की जा रही है। राज्य के आयुर्वेद विधा से जुड़े प्रशासनिक अधिकारियों, महाविद्यालयों के प्राचार्य गणों, शिक्षकों, जिला आयुष अधिकारियों, शासकीय और संविदा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों, निजी चिकित्सकों और आयुर्वेद की नयी पीढ़ी यानि छात्र - छात्राओं ने बीते एक महीने के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। आप सभी के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि महज 3351 वालिंटियर्स के बलबूते तमाम बाधाओं के बावजूद अभियान के समापन यानि 25 दिसंबर 2024 तक कुल 4 लाख 45 हजार से अधिक नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया गया। इन आंकड़ों के बदौलत हम पूरे देश में जहां 9 वें पायदान पर हैं वहीं स्ट्राइक रेट के लिहाज से छत्तीसगढ़ तीसरे क्रम पर है। इस सफलता का असली हकदार आप सभी हैं। आप लोगों के समर्पण, सहयोग, सहभागिता, संबल और संयम का ही प्रतिफल है कि छत्तीसगढ़ ने आंकड़ों की दौड़ में अनेक बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया। इस अभियान को जहां हर पल,हर पायदान पर संचालनालय आयुष, छत्तीसगढ़ के संचालक महोदया और संयुक्त संचालक महोदय का सतत मार्गदर्शन और नेतृत्व प्राप्त हुआ वहीं माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने हमें शुरुआत से ही प्रोत्साहन और संबल प्रदान किया जिसके बलबूते इस अभियान का हम गरिमापूर्ण तरीके से शुभारंभ और समापन कर पाए। हम आपके प्रति कृतज्ञ और अनुग्रहित हैं। मैं आप सभी शिक्षकों, चिकित्सकों और छात्रों के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त करते हुए यही अपेक्षा रखता हूं कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों आपका सहयोग और सहभागिता निरंतर प्राप्त होते रहेगा। निः संदेह आप सभी के योगदान को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता लिहाजा मैं अपने हृदय के अंतस से आप सभी के प्रति आभार ज्ञापित करता हूं।

जोरावर और फतेह सिंग ने सनातन के लिए किया था बलिदानःमहेंद्र टुटेजा

» वीर बाल दिवस पर भाजपा ने किया गुरु गोविंद सिंह और उनके शहजादों को याद

– संवाददाता –
अंबिकापुर,27 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा अंबिकापुर उत्तरी मंडल तथा अंबिकापुर दक्षिणी मंडल ने संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में संगोष्ठी का आयोजन सिख समाज गुरु सिंग सभा के वरिष्ठ पदाधिकारी महेंद्र सिंह टुटेजा के मुख्य आतिथ्य में किया। इस अवसर भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने आज के दिन शहीद हुए गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्रों बाबा जोरावर सिंग तथा बाबा फतेह सिंग को पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी वीरता को याद किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह टुटेजा ने दोनों शहजादों की वीरता व अपने देश धर्म के प्रति उनके समर्पण को नमन करते हुए बताया कि मात्र 9 व 6 वर्ष की छोटी आयु में ही उनकी सोंच इतनी बड़ी थी कि मुगलों के अत्याचार के आगे भी वो बालक नहीं झुके, और हंसते हंसते जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल कहते हुए शहीद हो गए। उन छोटे बालकों के अंदर उनके दादा दादी, पिता और माँ के संस्कार ऐसे कूट-कूट कर भरे थे कि औरंगजेब के सिपहसलार वजीर खान भी उन्हें अपने विचारों से डिगा न पाए। जोरावर और फतेह सिंग ने अपने आपको सनातन के लिए बलिदान कर दिया। उन्होंने इस विशेष दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के केंद्र सरकार के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का दिल से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष ने इस बलिदान दिवस के दिन को एतिहासिक बताते हुए इस विषय को बच्चों के पाठ्यक्रम में जोड़कर इसे प्रत्येक विद्यालय में पढ़ाए जाने की बात कही। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद आलोक दुबे ने इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम को वामपंथी इतिहासकारों द्वारा छुपाये जाने की जमकर आलोचना की तथा फिर से भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संजोकर एक नया इतिहास लिखने की वकालत की। इस अवसर पर भाजपा जिला संवाद प्रमुख संतोष दास सरल ने अपनी कविता की पंक्तियाँ ÷जोरावर और फतेह सिंग जी,गुरु का वचन निभाने शहीद हुए। गुरु गोविंद सिंह शहजादों संग, सनातन को बचाने शहीद हुए।÷ सुनाकर गुरु गोविंद सिंह जी व उनके शहीद पुत्रों को नमन किया। संगोष्ठी को वरिष्ठ भाजपा नेता जन्मेजय मिश्रा, श्रीमती फुलेश्वरी सिंह, रमेश जायसवाल, विकास वर्मा रिंकू, अंकित जायसवाल, वीर विक्रम सिंह बाबरा तथा लक्की सिंह ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से अंबिकापुर उत्तरी मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी तथा अंबिकापुर दक्षिणी मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने किया। आभार प्रदर्शन पूर्व मंडल महामंत्री दीपक सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती किरण मिश्रा,शकुंतला पांडेय,मंजूषा भगत,अभिषेक शर्मा,मनोज गुप्ता,संजय गुप्ता,प्रयाग साहू,अवधेश सोनकर,प्रेमानंद तिग्गा,सिकंदर जायसवाल, निरंजन राय,आकाश गुप्ता,अभिषेक सिंह देव,लालचंद्र साव, वसीम अंसारी, शैलेन्द्र,अनिल तिवारी,जितेंद्र सोनी,पंकज गुप्ता,राकेश कुमार गुप्ता,अनुज सिंह,निशांत गुप्ता,अंशुल श्रीवास्तव,मनीष बारी, विक्रम बाबरा शंभू सोनी,रोचक गुप्ता, शोलू सिंह,नीलम रजवाड़े, प्रियंका, अनिकेत,प्रिंस,दिव्यांशु,रोहित,डॉ कृपा शंकर, राजकिशोर,आशीष,आलोक ,विपिन पांडेय,रामसिंह देव,देव वर्मा, प्रिय सिंह, बबली,दीपक सिंह करवा,दीपक सोनी, भूपेंद्र सिंह, विकाश सोनी,जतिन परमार, कन्हैया यादव,विशाल गुप्ता, रामनिवास गुप्ता,सतीश शर्मा,आयुष गुप्ता,वीर सोनी, धीरज सिंह,चंदन,दीपक यादव,आशुमल गर्ग, अमुक कश्यप,साधना सरकार, नेहा सोनवानी,विकास देव ठाकुर,अभिमन्यु श्रीवास्तव, मनोज प्रसाद,सतीश शर्मा, आनंद सिंह,महेश जायसवाल, प्रताप सिंह,गोल्डी,अंकित तिर्की,मुसरद,संजीव कश्यप,अर्चना सिंह,बबन पांडे,विमल मंडलवार, शालिनी सिंह, सीमा कश्यप, नतिनी पांडेय,सरस्वती यादव, इंदु गुप्ता,राजेश कुमार सहित भारी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अटल परिसर निर्माण का ठेका भी पार्षद पति ठेकेदार को मिला,उसके बाद भी कराया गया विरोध...

» नगरपालिका के 80 प्रतिशत से अधिक काम उसी ठेकेदार को मिलना कहीं ना कहीं सेटिंग की ओर करता है ईशारा

» क्या ठेकेदार को ज्यादा काम मिलने में उपयंत्री मनोज पटेल की भूमिका मानी जाती है अहम ?

» स्थानांतरण के डेढ साल बाद भी जमे हुए हैं उपयंत्री,अब एक बार संसोधित किया गया तबादला

» इस्टीमेट बनाने में ही किया जाता है सारा खेल जिसके बाद कम दर डालकर लिया जाता है काम,परेशान हैं अधिकांश ठेकेदार,मूर्ति निर्माण का कार्य मिला दूसरे ठेकेदार को...

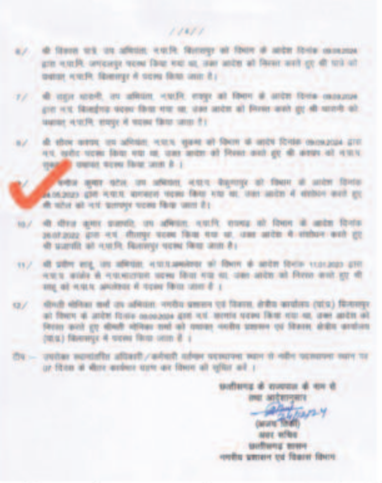

- जिला प्रतिनिधि -
कोरिया 27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर द्वारा अटल परिसर निर्माण कार्य की निविदा बुलाई गई थी उक्त कार्य उसी पार्षद पति ठेकेदार को मिला हुआ है जिसके द्वारा निर्माण कार्य का विरोध सिर्फ इसलिए कराया जा रहा है,क्योंकि निर्माण पहले उसी के वार्ड में होना था लेकिन बाद में स्थानीय विधायक की सलाह पर जगह बदल दिया गया। पूरे मामले में स्वार्थ वष विरोध कराया जाना अत्यंत हास्यप्रद है। यही नही उक्त ठेकेदार सत्ता पार्टी से जुड़ा हुआ है और निकाय में पदस्थ उपयंत्री से सांठगांठ कर अपना उल्लू सीधा कर रहा है,निकाय के पार्षद ठेकेदार की मनमानी और घटिया निर्माण कार्य पर कभी उंगली नही उठा पाते और उक्त ठेकेदार से मिलकर चलते हैं जिसका फायदा उठाते हुए ठेकेदार द्वारा कांग्रेसी पार्षदों को आगे रखकर विरोध कराया जा रहा है जबकि पर्दे के पीछे से सारा खेल ठेकेदार द्वारा ही खेला जा रहा है। ठेकेदार सत्ता धारी दल से जुड़ा हुआ है और इस चाल से पार्टी की किरकिरी भी हो रही है।

15 प्रतिशत कम दर पर गुप्ता ब्रदर्स को मिला काम का ठेका

इस विषय पर घटती घटना अखबार ने 27 दिसंबर के अंक में खबर का प्रकाशन करते हुए बतलाया कि सारा खेल पार्षद पति ठेकेदार द्वारा खेला जा रहा है,जिसमें स्वार्थ सिद्व ना होने पर कांग्रेसी पार्षदो को आगे कर कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन सौंपकर स्थल परिवर्तन ना करने की मांग की गई। खबर प्रकाषन के दि नही घटती घटना को उक्त ठेकेदार के फर्म गुप्ता बद्रर्ष एंड सप्लायर के नाम पर जारी कार्यादेष की प्रति हाथ लगी। जिसे देखने पर प्रतीत हो रहा है कि उक्त कार्य की स्वीकृति 12.17 लाख की थी जिसे 15 प्रतिशत कम दर पर उक्त ठेकेदार ने लिया है। सिर्फ विरोध इसलिए कराय जा रहा है कि पहले उक्त कार्य प्रेमाबाग तालाब में कराया जाना था लेकिन अब जगह बदलकर वार्ड क्रमांक 3 में उपभोक्ता फोरम के बगल में कराया जाना है। हलाकि जिस नए जगह पर निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया है वह जगह पहले से ज्यादा सही है मुख्य मार्ग के किनारे ऐसी जगह पर स्थित है जहां बड़ी संख्या में लोगो की आवाजाही रहती है,पूर्व मे जिस जगह का चयन किया गया था वहां काफी कम संख्या में लोगों का आना जाना है।

मूर्ति निर्माण का जिम्मा दूसरे ठेकेदार को...

नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर द्वारा बीते 22 नवंबर को अटल परिसर निर्माण एवं अटल परिसर में भारत रत्न स्व.श्री अटल बिहारी बाजपेयी की मूर्ति स्थापना का निविदा प्रकाषन किया गया था,बतलाया जाता है कि इसमें से एक कार्य पार्षद पति ठेकेदार को मिला है जबकि मूर्ति स्थापना का कार्य किसी मूर्ति बनाने वाले बाहर के ठेकेदार को मिला है। मूर्ति बनाने के लिए 17.85

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 | 5

नगर पालिका में ठेकेदारी करने वाला भाजपा पार्षद पति करा रहा अटल परिसर निर्माण स्थल का विरोध ?

नही मिला टेंडर,वार्ड मे निर्माण भी नही इसलिए विरोध

लाख की स्वीकृति मिली है।

नगरपालिका में सर्वाधिक काम एक ठेकेदार को मिलना सवालिया निषान, उपयंत्री मनोज पटेल की भूमिका संदिग्ध

बीते 10 वर्ष से देखने में मिल रहा है कि निकाय में जितने भी निविदा निकाली जाती है उसमे 80 प्रतिषत से अधिक काम गुप्ता ब्रदर्स एंड सप्लायर को ही मिल रहा है जो कि वर्तमान में भाजपा पार्षद के ठेकेदार पति का फर्म है। सूत्रों का दावा है कि नगरपालिका बैकुंठपुर में पदस्थ उपयंत्री मनोज पटेल इसमें मुख्य भूमिका निभाते हैं। एक ही ठेकेदार को उपकृत करने के पीछे कई तरह की चाल चली जा रही है। ऐसा समीकरण बैठाया जाता है कि काम किसी भी प्रकार से उसी ठेकेदार को मिल जाता है। आलम यह है कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में मनमानी भी की जाती है,निर्माण कार्य में गुणवत्ता की भारी कमी है,लेकिन उपयंत्री उस ओर झांकना जरूरी नही समझते। आज जो कांग्रेसी पार्षद ठेकेदार के बहकावे पर विरोध कर रहे हैं खुद उनके ही वार्ड में घटिया निर्माण कराया गया है लेकिन कभी भी किसी कांग्रेसी पार्षद ने घटिया निर्माण कार्य का विरोध करने की हिम्मत नही उठाई। एक ही ठेकेदार को बार बार अधिक काम मिलना कई संदेहो को जन्म देता है।

सारा खेल कार्य का इस्टीमेट तैयार करने में

सूत्रों का दावा है कि उपयंत्री के द्वारा ठेकेदार से सांठगांठ कर पहले निर्माण कार्य का इस्टीमेट तैयार किया जाता है,पहले से दर अधिक रखी जाती है,जिससे कि ठेकेदार द्वारा 20 से 30 प्रतिशत कम दर पर भी काम लेने में कोई घाटा नही होता। पार्षद पति ठेकेदार द्वारा उपयंत्री से सांठगांठ कर सारा खेल नगरीय निकाय क्षेत्र के निर्माण कार्य में खेला जा रहा है।

परेशान हैं नगरपालिका में काम करने वाले दूसरे ठेकेदार

नगरपालिका बैकुंठपुर में निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार दर्जन की संख्या में है लेकिन देखने में मिलता है कि बीते 10-15 वर्ष से ही उसी ठेकेदार का बोलबाला है। नगरपालिका में कोई भी अध्यक्ष,पार्षद,अधिकारी या उपयंत्री हों सभी को अपने गिरफ्त में लेकर उक्त ठेकेदार द्वारा काम किया जा रहा है। उक्त ठेकेदार को समय पर भुगतान कर हर तरीके से उपकृत किया जाता है जबकि दूसरे ठेकेदारों को हर कार्य के लिए इतना घुमाया जाता है कि आज कई ऐसे ठेकेदार हैं जिन्होने नगरपालिका में काम करना ही बंद कर दिया है।

स्थानांतरण के डेढ साल बाद भी जमे हैं उपयंत्री मनोज पटेल... संसोधित हुआ तबादला आदेश

छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के द्वारा नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर में पदस्थ उपयंत्री मनोज पटेल का स्थानांतरण गत वर्ष मई 2023 में बागबहरा किया गया था चिंताजनक है कि आज पर्यंत उपयंत्री को यहां से रिलीव नही किया गया जिससे कि उपयंत्री द्वारा ठेकेदार के साथ मिलकर उपकृत किया गया एवं मनमानी की जा रही है। अब डेढ साल बाद 24 दिसंबर को विभाग द्वारा उपयंत्री का आदेष संसोधित करते हुए नगर पंचायत प्रतापपुर पदस्थ किया गया है। देखने वाली बात होगी इस बार उन्हे यहां से रिलीव किया जाता है या फिर पार्षद पति ठेकेदार के बलबूते वे लंबे समय तक यहीं जमे रहते हैं।

क्या ठेकेदार की गिरफ्त में है नगरपालिका कार्यालय ?

सूत्रों का दावा है कि नगरपालिका बैकुंठपुर कार्यालय इन दिनों उक्त ठेकेदार की गिरफ्त में है। आलम यह है कि कई अन्य ठेकेदार एवं स्वयं कई पार्षद भी अपने काम को लेकर परेशान रहते हैं लेकिन उक्त ठेकेदार का हर काम यहां आसानी से होता है। पत्नी पार्षद हैं इसलिए ठेकेदार द्वारा अधिकारी कर्मचारी पर दबाव बनाकर रखा जाता है। उपयंत्री द्वारा ठेकेदार का सारा काम कार्यालय के साथ साथ अपने आवास पर भी किया जाता है। उपयंत्री से गहरा संबंध होने के कारण ही ठेकेदार ने अन्य ठेकेदार को परेषान करते हुए अपा लंबा चैड़ा काम खड़ा कर लिया है,जबकि पुराने ठेकेदार आज संघर्ष के दौर से गुजर रहे हैं।

प्रीतिभोज कार्यक्रम में कांग्रेसी भी हुए शामिल,क्या भाजपाई कांग्रेसी मिलकर लड़ने वाले हैं पटना में चुनाव ?

» नव गठित नगर पंचायत पटना के प्रथम चुनाव के लिए भाजपा नेताओं ने आयोजित किया प्रीतिभोज कार्यक्रम

» प्रीतिभोज कार्यक्रम में अन्य ग्राम के लोग भी आए नजर,क्या भीड़ जुटाने अन्य जगहों से नेताओं ग्रामीणों को बुलाया गया ?

» कांग्रेस से खुद दावेदारी कर रहे लोगों की शिरकत से भाजपा का कार्यक्रम हुआ सफल,भाजपाइयों सहित कांग्रेसियों की उपस्थिति रही बराबर

» भोजन के बहाने नगर के लोगों को प्रभावित करने का था भाजपाइयों का प्रयास,क्या इस प्रलोभन से भाजपा को चुनाव में मिलेगा लाभ ?

- न्यूज डेस्क -
बैकुंठपुर/पटना 27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड अंतर्गत नव गठित पटना नगर पंचायत के प्रथम चुनाव के लिए सरगर्मियां तेज हो गई हैं और अब राजनीतिक दलों की तरफ से नगर के मतदाताओं को रिझाने का कार्यक्रम जारी है जिसमें सत्ताधारी दल ने पहल की है और प्रीतिभोज आयोजित कर नगर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने प्रयास किया है वहीं कांग्रेस ने प्रभारी नियुक्त कर दो बैठकें आयोजित की तो जरूर हैं लेकिन दोनों ही बैठकों में आपसी शिकवे गिले ही दूर होते रहे कोई रणनीति नहीं बन सकी। सत्ताधारी दल भाजपा ने कांग्रेस के एकजुट होने की तैयारी के बीच प्रीतिभोज का कार्यक्रम आयोजित कर दिया और इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को देखकर यह भी लोग कहने से नहीं चूक रहे हैं कि क्या भाजपा कांग्रेस एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले हैं क्योंकि दोनों ही दलों के नेता कार्यकर्ता कार्यक्रम में नजर आए और सभी ने साथ साथ प्रीतिभोज कर आयोजन की सफलता में अपना योगदान दिया।

भाजपा की तरफ से आयोजित प्रीतिभोज कार्यक्रम में अन्य क्षेत्र से भाजपा नेताओं की शिरकत नजर आई वहीं ग्रामीणों की भी अन्य ग्राम के उपस्थिति नजर आई। कुल मिलाकर भीड़ में मिला जुला मामला नजर आया और कार्यक्रम में भीड़ पर्याप्त नजर आई।वैसे उपस्थित भीड़ का हर सदस्य भाजपा को ही मतदान करेगा यह तो कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि कांग्रेसियों की उपस्थिति से यह संशय है कि कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशियों को लेकर आम सहमति बनी होगी। कार्यक्रम पारिवारिक स्नेह भोज जैसा साबित हुआ यही कहना सही होगा क्योंकि कार्यक्रम में सभी दलों के लोग शामिल हुए अन्य ग्राम के लोग साथ ही नेता शामिल हुए यहां तक कि पटना के जिन कुछ वरिष्ठों को मंच पर जगह दिया जाना था उन्हें जगह न देकर सामने मंच से नीचे स्थान दिया गया वहीं अन्य जगहों से आए भाजपा नेताओं को मंच पर स्थान प्रदान किया गया जबकि अन्य जगहों से आए भाजपा नेताओं की पटना के नगर पंचायत चुनाव में कोई उपयोगिता नहीं होगी।

कांग्रेस के बड़े नेताओं की शिरकत से आयोजन की सफलता पर लगा ग्रहण

आयोजन भाजपा प्रत्याशियों को नगर पंचायत में जीत दिलाने आयोजित थी। भाजपा की तरफ से आयोजित प्रीतिभोज में पटना की जनता को बुलाया गया था और उनसे भोजन उपरांत समर्थन की उम्मीद जताई गई। इस प्रीतिभोज कार्यक्रम में कांग्रेसियों की भी शिरकत नजर आई। कांग्रेसियों की उपस्थिति उपरांत यह कहना गलत नहीं होगा कि कार्यक्रम की सफलता पर ग्रहण लगा और कार्यक्रम का उद्देश्य जो भाजपा प्रत्याशियों की जीत के साथ पटना नगर पंचायत में अपनी सरकार बनाने का उद्देश्य है वह नहीं पूरा हुआ। कार्यक्रम प्रीतिभोज से आगे कोई अन्य उपलब्धि आपने अपने साथ नहीं जोड़ सका।

अलग अलग गांव के लोगों के शामिल होने की भी तस्वीर आई सामने, चुनाव नगर पंचायत का सत्कार ग्रामीणों का...

कार्यक्रम में अलग-अलग ग्राम के लोग भी नजर आए। मंच पर भी बैठे अधिकांश पटना के बाहर के ही थे। कई पटना के ही वरिष्ठ मंच के आगे बैठे नजर आए जबकि उन्हें मंच पर आसीन होना था। कुल मिलाकर जिनकी पटना नगर पंचायत के चुनाव में कोई उपयोगिता ही नहीं वही लोग मंच पर ज्यादा नजर आए वहीं पटना के लोग नीचे सामने मंच से दूर बैठ पाए।

एक समुदाय के लोगों की उपस्थिति कम नजर आई बैठक में...

भाजपा की बैठक में एक समुदाय की उपस्थिति कम नजर आई। बताया जा रहा है उक्त समुदाय की उपस्थिति के बड़े मायने चुनाव में नजर आयेंगे। समुदाय का समर्थन जिसे मिला वह विजेता भी हो सकता है। समुदाय का कल के कार्यक्रम से दूरी बनाना भी चर्चा का विषय है।

अध्यक्ष पद के लिए युवा चेहरे को भाजपा दे मौका,कार्यक्रम के बाद युवाओं में रही चर्चा

कार्यक्रम को लेकर बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के खर्च का वहन उन्होंने किया जिन्हें अध्यक्ष बनने की लालसा है। अध्यक्ष पद के लिए कोई युवा भाजपा प्रत्याशी हो यह कार्यक्रम उपरांत युवाओं की चर्चा सुनी गई। तीन जिन भाजपा नेताओं के द्वारा खर्च वहन किया गया वह केवल मजबूरी में ही स्वीकार किए जाएंगे और कांग्रेस का प्रत्याशी यदि युवा या अपेक्षा में खरा उतरने लायक मिला उसे ही सभी युवा समर्थन कर देंगे यह चर्चा आम रही।

मठाधीशों से पटना को मुक्ति की बात आपस में करते रहे उपस्थित लोग

भाजपा के कार्यक्रम की सफलता की बात का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कार्यक्रम के दौरान और बाद में यही चर्चा आम रही की मठाधीशों से पटना को मुक्त कराया जाए। जिन्हें कोई पद मिला है उसे दावेदार न बनाया जाए और जिन्हें पूर्व में पार्टी ने बड़े पदों पर बैठाया था उन्हें मौका न दिया जाए।। कुल मिलाकर उन्हें ही मौका मिले जो पटना को आगे ले जाने की मंशा रखते हों और जिन्हें पटना में कब्जा स्थापित न करना हो।

न्यायालय नायब तहसीलदार अबिकापुर-02,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शम्भू दास आ0 सुरजन दास, व अन्य 01, निवासी ग्राम भकुरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115,116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 1915/4 रकबा 1.117 हे0 ग्राम भकुरा में स्थित है। वर्तमान राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश खसरा नंबर 1915/4 रकबा 0.117 हे0 दर्ज हो गया है आवेदकगण द्वारा राजस्व अभिलेखों में खसरा नं0 1915/4 का त्रुटिवश दर्ज रकबा 0.117 हे0 के स्थाना पर सुधार करते हुए सही रकबा 1.117 हे0 दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोईआपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/12/2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जायेगा।

दिनांक 04/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अंबिकापुर-02

CMYK

क्या प्रभारी डीपीएम सुरजपुर के पास एक ही वर्ष के रेगूलर कोर्स की 3-3 डिग्री?

जिला कार्यक्रम प्रबंधक के पद के लिए दो डिग्री से किया आवेदनःसूत्र

» जब पूर्व की डिग्री सही थी तो फिर डिग्री बदलने की जरूरत क्यों पड़ी?

» क्या अपने ही चक्रव्यूह में फंसते जा रहे हैं सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम?

» उनके दस्तावेज को लेकर बार-बार आरोप क्यों सामने आते हैं?

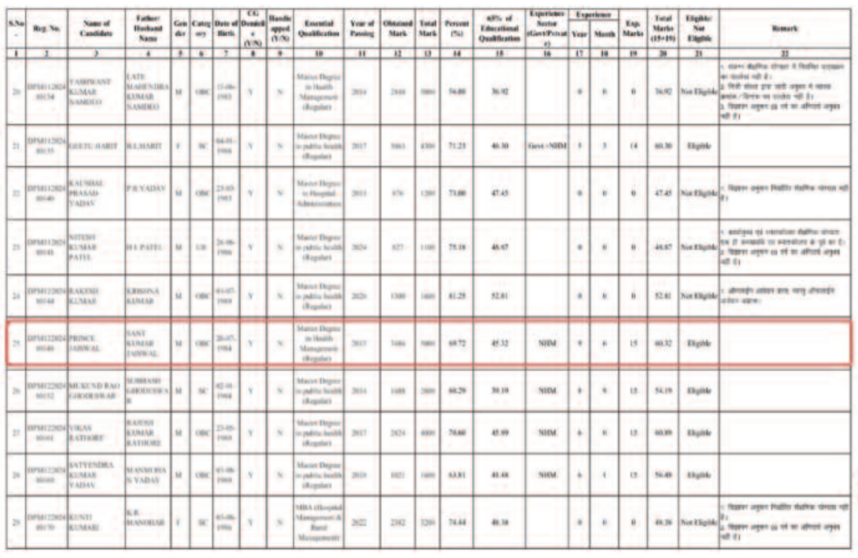

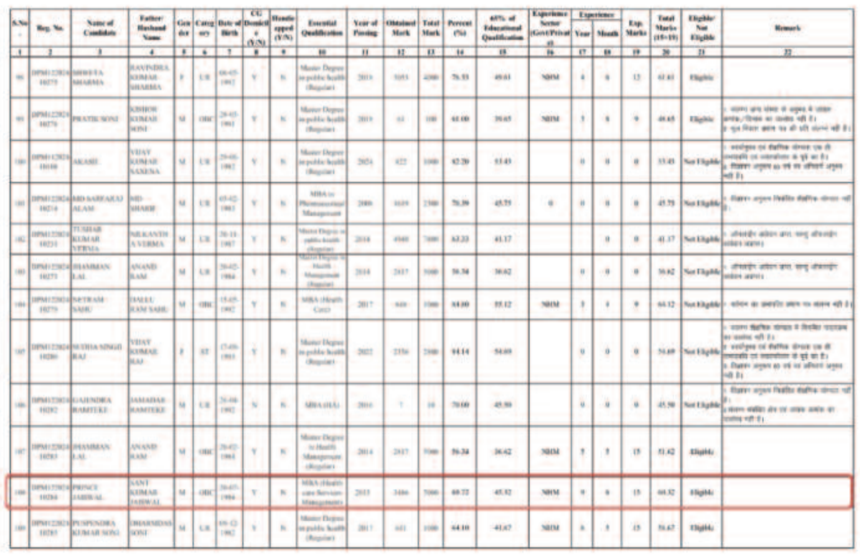

- जिला प्रतिनिधि -
सूरजपुर,27 दिसंबर 2024 (घटती घटना)।

क्या राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी के पद के लिए कुछ भी करने को है प्रिंस जायसवाल तैयार? अब आप सोच रहे होंगे कि यह सवाल क्यों हो रहा है? तो यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में जिला स्तरीय कार्यक्रम अधिकारी के पद के लिए नियुक्ति हो रही है, जिसके लिए काफी लोगों ने आवेदन किया है जिसकी फाइनल लिस्ट आ गई है सिर्फ अब दावा-आपत्ती ही शेष है जैसे ही दावा आपत्ति की सूची आई उसमें एक नाम काफी चौंकाने वाला था,वह नाम था कोरिया जिले के तत्कालीन प्रभारी डीपीएम व सूरजपुर के वर्तमान प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल का नाम,इनका नाम दो जगह पर देखने को मिला पहले 25 नंबर में नाम है और दूसरा 108 नंबर में इनका नाम है, दोनों में ही इन्होंने अलग-अलग डिग्रियां लगाई हैं वह भी एक ही वर्ष की रेगुलर डिग्री, इसके बाद अब उनकी चयन सूची में नाम को लेकर आपत्ति भी दर्ज कराई गई है, सवाल यह उठता है कि आखिर प्रिंस जायसवाल के पास कितनी डिग्रियां हैं? पहले डिग्री का मामला पहले से ही जांच में है जिसे फर्जी बताया गया था और वही अब नया डिग्री लगाने का मामला सामने आया है, इसके बाद सवाल यह उठता है कि यदि पहली डिग्री सही थी तो फिर दूसरी डिग्री की जरूरत क्यों पड़ी? वह भी एक पद के लिए उन्होंने दो-दो अलग-अलग डिग्री लगाई है। अब एक बार फिर से उनकी डिग्री को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं और फिर से उनकी जो डिग्री वर्तमान में लगाई गई है उसकी भी जांच की मांग होने लगी है।

बता दें कि कोरिया जिले के तत्कालिन और सुरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की एक डिग्री की जांच पुलिस कर रही है, वहीं 19 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जिला कार्यक्रम प्रबंधक पद के लिए जारी की गई दावा आपत्ति में प्रिंस जायसवाल ने ना सिर्फ दो बार आवेदन किया है बल्कि दोनों आवेदन पर वो पात्र किए गए है। हैरानी की बात तो यह है कि दोनों डिग्री पास करने पर उन्हें प्राप्तांक बाराबर मिले है। मामले में 19 दिसंबर से 26 दिसंबर के बीच दावा आपत्ति मंगाई गई थी, जिस पर सामाजिक कार्यकर्ता संजय जायसवाल ने दोनों पंजीयनों पर आपत्ति ईमेल के माध्यम से भेजी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जिला कार्यक्रम प्रबंधक के 8 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसमे आरक्षित 3, ओबीसी 1, एसटी 3 और एससी के लिए 1 पद है। जिसके लिए 19 दिसंबर 2024 को पात्र-अपात्र की सूची विभाग की वेबसाईट पर जारी कर 26 दिसंबर 2024 तक दावा आपत्ति मंगाई गई। सामाजिक कार्यकर्ता संजय जायसवाल की माने तो दावा आपत्ति के लिए जारी की गई सूची के क्रमांक 25 पंजीयन क्रमांक डीपीएम122024 10148 में अभ्यर्थी प्रिंस जायसवाल का नाम दर्ज है, इसमें बताया गया है कि उनके द्वारा मास्टर डिग्री हेल्थ मैनेजमेंट (रेगूलर) वर्ष 2013 की है और उन्हें कुल 5000 अंक में 3486 अंक प्राप्त हुए है। इस तरह उन्हें सूची में कुल अंक 60.32 दिए गए है और उन्हें पात्र घोषित किया गया है। उन्हें सरकार के एनएचएम के काम करने के 15 अंक अतिरिक्त दिए गए है। इसी सूची के क्रमांक 108 में पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10284 पर दूसरी डिग्री लगाकर उसे पात्र बताया गया है। इस पंजीयन में अभ्यर्थी का नाम प्रिंस जायसवाल का ही नाम दर्ज है, पिता का नाम पर एक जैसा ही है। इसमें एमबीएम हेल्थ केयर सर्विसेज मैनेजमेंट की डिग्री लगी हुई है। इस पद के लिए रेगूलर डिग्री को प्राथमिकता दी गई है। जबकि इसमें रेगूलर नहीं लिखा है। यह डिग्री भी उन्होनें वर्ष 2013 में प्राप्त करना बताया है और हैरानी की बात यह कि इसमें भी उन्हें कुल 5000 अंक में 3486 अंक प्राप्त हुए है। इस तरह उन्हें सूची में भी कुल अंक 60.32 दिए गए है और उन्हें पात्र घोषित किया गया है।

दोनों पंजीयन में लगाई आपत्ति

सामाजिक कार्यकर्ता संजय जायसवाल ने लगाई आपत्ति में बताया है कि पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10148 में डिग्री रेगुलर नहीं है, एक ही अभ्यर्थी एक साथ 3-3 डिग्री कोर्स रेगुलर नहीं कर सकता,इस अभ्यर्थी ने इसी विज्ञापन में क्रमांक 108 पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10284 पर दूसरी डिग्री लगाकर उसे पात्र बताया गया है। डीपीएम के पद के लिए इसी सूची में एक ही अभ्यर्थी द्वारा दो अलग अलग डिग्री रेगुलर बताई है,जो कि स्कूटनी में बड़ी चूक है। क्रमांक 25-पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10148 और क्रमांक 108 पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10284 में एक ही अभ्यर्थी है और उसके दो अलग अलग पंजीयन है और दोनों में अलग अलग डिग्री बताई गई है। क्रमांक 25-पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10148 और क्रमांक 108 पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10284 के इस अभ्यर्थी को दोनो रेगुलर कोर्स में समान अंक इस पात्र अपात्र सूची में बताए गए है जो कि असंभव है, दोनों क्रमांक 25 और 108 में 5000 कुल अंक में 3486 प्राप्त अंक है। कृपया आपके द्वारा प्रस्तुत पात्र अपात्र सूची का अवलोकन करें। इसके अलावा दूसरी आपत्ति में उन्होने बताया है कि एमबीए हेल्थ केअर सर्विस मैनेजमेंट का कोर्स जिस यूनिवर्सिटी का बताया है उसमें ये कोर्स ही नही है। पंजीयन क्रमांक डीपीएम 122024 10284 में डिग्री रेगुलर नहीं (एमबीए हेल्थ केअर सर्विस मैनेजमेंट) अभ्यर्थी ने 2013 में एक यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त करना बताया है। पूर्व इसी अभ्यर्थी द्वारा केलोरेक्स टीचर्स यूनिवर्सिटी अहमदाबाद से रेगुलर वर्ष 2012-2014 तक एमपीएच की डिग्री एवं मार्कशीट प्राप्त कर डीपीएम के लिए आवेदन किया था जिसे आप के विभाग द्वारा सत्यापित किया है। एक ही व्यक्ति एक ही समय में तीन रेगुलर डिग्री कोर्स नहीं कर सकता है।

ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले आरोपी को थाना प्रेमनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 23.11.2024 को प्रेमनगर निवासी दिलीप कोसले ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 21.11. 2024 को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा ग्राम भगवानपुर जामपारा में लगे ट्रांसफार्मर को पोल से उतार कर उसके अंदर का कापर वायर को निकालकर ले गया जिससे बिजली विभाग को 80 हजार रूपये का क्षति हुआ है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 124/24 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। वहीं दूसरे मामले में प्रेमनगर निवासी सतेन्द्र कुमार ने दिनांक 27.12.24 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि अज्ञात चोर के द्वारा दिनांक 25.12.2024 को ग्राम खजूरी में लगे ट्रांसफार्मर को पोल से निकालकर क्षतिग्रस्त कर दिया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 139/24 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने दोनों मामलों की गंभीरतापूर्वक विवेचना करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना प्रेमनगर पुलिस के द्वारा मामलों की विवेचना के दौरान संदेही छोटन मरावी निवासी गेजी चौकी बचरा पोड़ी, थाना बैकुण्ठपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ग्राम भगवानपुर लगे ट्रांसफार्मर को पोल से नीचे उतारकर कॉपर वायर निकालना एवं ग्राम खजुरी में लगे ट्रांसफार्मर को चोरी करने के लिए पोल से नीचे उतारकर छिपाना बताया। आरोपी के निशानदेही पर चोरी किए ट्रांसफार्मर को जप्त कर आरोपी छोटन मरावी पिता मनी राम उम्र 35 वर्ष ग्राम गेजी, चौकी बचरा पोड़ी थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया को गिरफ्तार किया है वहीं अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रेमनगर नीलिमा तिर्की, एसआई मनोज सिंह, एएसआई रंजीत सोनवानी, संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक महेन्द्र पटेल, महिला प्रधान आरक्षक फूलमती राजवाड़े, आरक्षक विजय चौबे, खेलन सिंह, अमर सिंह, राजू कुमार, संतोष ठाकुर महिला आरक्षक गीता सिंह सक्रिय रहे।

प्रतापपुर में ट्रैफिक जाम से नागरिक परेशान,भारी ट्रकों,डंफर वाहन प्रतिबंध के बावजूद नियमों का की जा रही अनदेखी

- संवाददाता -
प्रतापपुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर में आए दिन भारी वाहनों की वजह से हो रहे ट्रैफिक जाम ने नागरिकों का जीवन दूभर कर दिया है। मुख्य सड़क यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। इस समस्या के चलते बाजार के दिनों में जाम की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी

प्रशासन द्वारा पहले ही यह आदेश जारी किया गया है कि प्रतापपुर में सुबह 7:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके बावजूद, इन नियमों की लगातार अनदेखी हो रही है। भारी वाहन प्रतिदिन बिना किसी रोक-टोक के प्रवेश कर रहे हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है।

पुलिस की अनदेखी

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन इस समस्या को सुलझाने में पूरी तरह नाकाम रहा है। ट्रैफिक जाम के दौरान पुलिस की उपस्थिति न के बराबर रहती है, और किसी भी प्रकार की पहल या समाधान के प्रयास नहीं किए जाते।

बाजार के दिनों में हालात और बदत्तर

शुक्रवार और सोमवार को बाजार के दिनों में भीड़ अधिक होने के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है। लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, जिससे न केवल उनका समय बर्बाद होता है, बल्कि उनकी रोजमर्रा की गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं।

दुर्घटनाओं की बढ़ती संभावना

भारी वाहनों के अनियंत्रित आवागमन और सड़क पर खड़ी वाहनों अव्यवस्थित के कारण दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ गई है। पहले ही कई बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं, और यदि स्थिति पर जल्द ही नियंत्रण नहीं किया गया, तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं।

स्थानीय नागरिकों की मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि...

भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाए।

ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

शुक्रवार और सोमवार बाजार के दिनों में ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जाएं।

प्रतापपुर में ट्रैफिक जाम की समस्या केवल प्रशासनिक अनदेखी और यातायात नियमों के पालन में लापरवाही का परिणाम है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यह न केवल नागरिकों के जीवन को कठिन बनाएगा, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करेगा। प्रशासन को इस दिशा में त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

तथा खास करके साप्ताहिक बाजार के दिनों में अत्यधिक शराब सेवन के वजह से दुर्घटना हो रहे हैं वही शराब सेवन कर मोटरसाइकिल सवार एवं फोर व्हीलर वाहन तेज रफ्तार में पर होते हैं। और लोगों के ऊपर में एक्सीडेंट कर दे रहे हैं। इसमें पुलिस द्वारा शक्ति बरतनेने की आवश्यकता है।

शिवपुर धाम में महिलाओं ने नव वर्ष पर की सेवा,योग, और सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन

- संवाददाता -
प्रतापपुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नए वर्ष 2025 के स्वागत में प्रतापपुर सामुदायिक भवन में योग अभ्यास कर रही सैकड़ों महिलाओं ने बाबा जलेश्वर नाथ शिवपुर धाम का दौरा किया और वहां कई अनूठी गतिविधियों का आयोजन किया। यह आयोजन महिलाओं की सेवा, योग, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामुदायिक सद्भाव और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

मंदिर परिसर की सफाई और प्रकृति का अवलोकन

महिलाओं ने शिवपुर धाम में पहुंचकर बाबा जलेश्वर नाथ मंदिर परिसर की सफाई की। इसके बाद उन्होंने मंदिर के आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य, जैसे पहाड़, तालाब, और जल धाराओं का अवलोकन किया। इस प्रयास का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाना था, बल्कि मंदिर और उसके आसपास की प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित करना भी था।

जरूरतमंदों को भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

महिलाओं ने पिकनिक के दौरान जरूरतमंदों को भोजन कराया और सेवा भाव का परिचय दिया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें गीत प्रतियोगिताएं, खेल, और अन्य मनोरंजक गतिविधियां शामिल थीं। महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी को उत्साहित किया।

योग के लाभों पर चर्चा और अभ्यास :महिलाओं ने मंदिर परिसर में योगाभ्यास किया और अधिक से अधिक लोगों को योग से होने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया। योग क्लास की अध्यक्ष चंद्रमणि देवी और अन्य सदस्यों ने योग के माध्यम से तनावमुक्त जीवन, ऊर्जा से भरपूर शरीर, और बीमारियों से लड़ने की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करता है और जीवन को सकारात्मकता से भरता है।

सक्रिय सहभागिता और उत्साह

इस आयोजन में योग क्लास की अध्यक्ष चंद्रमणि देवी, उपाध्यक्ष राधा सिंह, प्रियंका गुप्ता, रेखा सोनी, अनीता गुप्ता, ज्योति गुप्ता, कौशल लाडली, नजमा, और शहीदा समेत कई महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की। उनके परिवारजनों ने भी इस कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाया।

सामाजिक और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

यह आयोजन न केवल महिलाओं के सामूहिक प्रयास का उदाहरण था, बल्कि समाज में स्वच्छता, स्वास्थ्य, और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने का भी प्रयास था। योग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हम सभी को न केवल अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए।

शिवपुर धाम में महिलाओं द्वारा किया गया यह आयोजन सामुदायिक भावना, सेवा, और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने का आदर्श उदाहरण है। यह आयोजन नए वर्ष के स्वागत के साथ-साथ समाज में जागरूकता और प्रेरणा का संदेश देता है।

पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को थाना प्रेमनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पिऊरी,थाना रामानुजनगर निवासी रमेश सिंह पिता बनारसी सिंह ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 25.12.24 के रात्रि करीब 8-9 बजे उदयराज सिंह के द्वारा अपनी पत्नी लीलावती को खाना नहीं बनाने की बात को लेकर लोहे के राड से मारपीट किया तब उसका लड़का व भतीजा के द्वारा लीलावती को हास्पिटल ले जाने को बोले तो उनको धमका कर ले जाने से मना कर दिया, सुबह लीलावती की मृत्यु हो गई। प्रार्थी की सूचना पर मर्ग कायमी उपरान्त अपराध क्रमांक 138/24 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना प्रेमनगर की पुलिस ने विवेचना कर दबिश देकर आरोपी उदयराज सिंह पिता भूखल सिंह उम्र 40 वर्ष ग्राम नावापाराकला को पकड़ा गया। आरोपी ने पूछताछ पर पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त रॉड जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रेमनगर नीलिमा तिर्की, एसआई मनोज सिंह, महिला प्रधान आरक्षक फुलमति राजवाड़े, आरक्षक बेचूराम सोलंकी, खेलन सिंह, संतोष ठाकुर, बाबुनाथ पोर्ते, हरिशचंद्र दास व बृजेश कासी सक्रिय रहे।

ऐसा 47 साल बाद हुआ जब यशस्वी जयसवाल को आउट किया गया...

मेलबर्न ,27 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के पर्थ टेस्ट मैच के बाद मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में यशस्वी जयसवाल का बल्ला कमाल

दिखाता नजर आया, जिसमें उन्होंने भारत की पहली पारी में बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। खेले लेकिन 82 के निजी स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे. 2024 जयसवाल के लिए शानदार साल रहा लेकिन इस पारी में वह शतक से महज 18 रन से चूक गए, जिसके काफी करीब पहुंच गए थे. विराट कोहली से जूझते हुए जयसवाल ने मिडल पर गेंद मारकर रन लेने की कोशिश की लेकिन गलत संचार के कारण उन्हें कैच छोड़ना पड़ा और पवेलियन लौटना पड़ा। इसके साथ ही जयसवाल का नाम उस सूची में जुड़ गया, जिसमें पहले सिर्फ चेतन चौहान का नाम शामिल था। मेलबर्न स्टेडियम में जब यशस्वी जयसवाल को इस टेस्ट मैच से बाहर किया गया तो वह इस तरह पवेलियन लौटने वाले दूसरे भारतीय ओपनिंग बल्लेबाज बन गए।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को चटाई धूल

दीप्ति शर्मा ने रच दिया नया कीर्तिमान

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम ने कमाल ही कर दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ कर दिया। तीन मैचों की सीरीज में भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी है। इसलिए ये जीत और भी खास हो जाती है। इस बीच टीम इंडिया की स्टार खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने पहले गेंदबाजी से इतिहास रचा और इसके बाद जब बल्लेबाजी आई तो वहां भी कमाल करने का ही काम किया। रिचा घोष ने बैक टू बैक दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिला दी।

सस्ते में आउट हो गई वेस्टइंडीज की टीम

भारत बनाम वेस्टइंडीज तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी। टीम ने अपने कोटे के पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाए और केवल 38.5 ओवर में ही आउट हो

गई। वेस्टइंडीज ने 162 रन ही बनाए। इतने छोटे स्कोर पर वेस्टइंडीज को आउट करने में सबसे बड़ी भूमिका दीप्ति शर्मा की रही। उन्होंने 10 ओवर में केवल 31 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। इस दौरान तीन ओवर तो ऐसे भी रहे, जिसमें उन्होंने कोई रन ही नहीं दिया। ये दीप्ति शर्मा का वनडे में तीसरा 5 विकेट हॉल है। इसके साथ ही वे अब बाएं हाथ की स्पिनर एकता बिष्ट को पीछे छोड़ते हुए वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं।

दीप्ति ने झूलन और नीतू को भी किया पीछे

इतना ही नहीं, उन्होंने बिष्ट के साथ झूलन गोस्वामी और नीतू डेविड को भी पीछे छोड़ दिया, क्योंकि इन सभी ने अपने वनडे करियर में दो बार पांच विकेट लिए थे। दीप्ति ने अब तक केवल 98 वनडे मैचों में तीन बार पांच विकेट लिए हैं और उनके नाम 123 विकेट हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20 रन देकर 6 विकेट लेना रहा है, जो काबिले तारीफ है। दीप्ति शर्मा ने अपनी गेंदबाजी से वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को एक तरह से चौंका ही दिया था। उन्होंने शेमेन कैम्पबेल, चिनेल हेनरी, जैदा जेम्स, आलियाह एलीने, एफी फ्लेचर और अश्मिनी मुनिसर को आउट किया।

बड़ी आसानी से भारत ने जीता मैच

इसके बाद जब टीम इंडिया रनों का पीछा करने के लिए मैदान में उतरी तो केवल ये देखना था कि कितने ओवर में जीत मिलती है। हालांकि इस बार मंधाना का बल्ला नहीं चला और वे 4 रन बनाकर आउट हो गईं। हरलीन देवल भी एक ही रन बना सकी। हालांकि दूसरी सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ताल से ताल मिलाई और टीम को जीत के रास्ते पर ले जाने का काम किया। आखिरी में दीप्ति शर्मा ने बल्ले से भी अपना योगदान दिया और 48 बॉल पर 39 रन बनाए। रिचा घोष ने 11 बॉल पर 23 रन बनाकर अपनी टीम टीम को जीत दिला दी। भारत ने केवल 28.2 ओवर में ही पांच विकेट से मैच अपने नाम कर लिया।

सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड टूटा

» बीजीटी में पहली बार हुआ ये कारनामा

मेलबर्न,27 दिसम्बर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में चौथे टेस्ट का रोमांच जारी है। अभी तक सीरीज बराबरी पर है और ये मुकाबला भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एक बड़ा स्कोर बनाया है, जिसका पीछा भारतीय टीम पूरे दमखम के साथ कर रही है। इस बीच स्टीव स्मिथ ने एक और सैकड़ा जड़कर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। इस मैच की खास बात ये है कि क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर का भी बड़ा कीर्तिमान अब ध्वस्त हो गया है, जो पिछले कई साल से अटूट था।

स्टीव स्मिथ ने इसी सीरीज में लगा दिए हैं दो शतक

भारत और ऑस्ट्रेलिया सीरीज को साल 1996 में बीजीटी यानी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का नाम दिया था। तब से लेकर अब तक इसी के तहत मुकाबले हो रहे हैं। बीजीटी की बात करें तो इसमें अब तब सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले

बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। इस सीरीज से पहले तब विराट कोहली और स्टीव स्मिथ उनका पीछा कर रहे थे। लेकिन इसी सीरीज में दोनों ने एक एक शतक लगाकर सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली थी।

विराट कोहली अभी भी सचिन के बराबर

विराट कोहली ने इसी सीरीज के पहले टेस्ट में शतक लगातार सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली थी। इसके बाद तीसरे टेस्ट में स्टीव स्मिथ ने भी शतक लगाया। इसके बाद सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और स्टीव स्मिथ की बराबरी यानी 9 सेंचुरी हो गई थी। कोहली और स्मिथ में से जो भी अगली सेंचुरी लगाता सचिन का रिकॉर्ड टूट जाता। अब ये काम स्टीव स्मिथ ने पहले कर दिया है। अब बॉर्डर गावस्कर सीरीज में स्टीव स्मिथ की दस सेंचुरी हो गई हैं।

स्टीव स्मिथ ने खेली अपनी टीम के लिए शानदार पारी

स्टीव स्मिथ की बल्लेबाजी की बात करें तो उन्होंने 197 बॉल का सामना किया और शानदार 140 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान उन्होंने 13 चौके और तीन आसमानी छक्के भी लगाए। एक वक्त कंगारू टीम थोड़े से संकट में थी, जिससे उबारने का काम स्मिथ ने किया। उनकी दमदार पारी की बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में 474 रनों का बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब रही।

हरमनप्रीत को सूरमा हॉकी क्लब का कप्तान बनाया गया

राउरकेला,27 दिसम्बर 2024। सूरमा हॉकी क्लब ने 28 दिसंबर से राउरकेला में शुरू होने वाले हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सीजन के लिए दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह को कप्तान घोषित किया है।अर्जुन पुरस्कार विजेता और दो बार एफआईएच बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर रह चुके हरमनप्रीत ने पंजाब और हरियाणा स्थित फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। दिग्गज ड्रैग-फ्लिकर ने कहा, मैं इस अविश्वसनीय टीम का नेतृत्व करने और ऐसे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं, जो मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। यह एक विशेषाधिकार और सम्मान है।उन्होंने चंडीगढ़ के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में सफल प्री-सीजन कैंप के बाद टीम की तैयारी और सौहार्द पर भी प्रकाश डाला। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान ने कहा, हमारे पास एक मजबूत टीम है,जो शिविर के दौरान अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। हममें से कई लोग सालों से एक साथ खेल रहे हैं, और हमारे पास कुछ रोमांचक युवा प्रतिभाएं और अनुभवी

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है...ट्रॉफी जीतना।

सूरमा हॉकी क्लब के मुख्य कोच जेरोन बार्ट ने हरमनप्रीत के नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान के रूप में हरमनप्रीत का अनुभव, दबाव में उनका संयम और भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों से मिलने वाला सम्मान उन्हें टीम का नेतृत्व करने के लिए एकदम सही विकल्प बनाता है। हम उन्हें इस सीजन् में टीम का मार्गदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की परम सुंदरी की रिलीज तारीख का ऐलान,पहली झलक जारी

जाने-माने अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा आने वाले दिनों में कई फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। उनकी फिल्मों की सूची में परम सुदंरी भी कतार में हैं, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ बनी है।आखिरकार अब परम सुदंरी की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। फिल्म से सिद्धार्थ और जाह्नवी की पहली झलक भी सामने आ गई है।आइए बताते हैं यह फिल्म कब रिलीज होगी।परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारर का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (परम सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी परंपराओं व उसूलों की पक्की है।फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। यह फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर केंद्रित होगी।परम सुंदरी 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। तुषार जलोटा इस फिल्म के निर्देशक हैं।फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल सिद्धार्थ के साथ दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद केरल में कुछ हिस्से की शूटिंग की जाएगी।बची हुई शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां 2 बड़े सेट बनाए जाएंगे। एक सेट पर दिल्ली का एक आलीशान बंगला बनाया जाएगा, जबकि दूसरा सेट केरल के पारंपरिक घर की तरह होगा।

सलमान खान की सिकंदर का फर्स्ट लुक आउट

बर्थडे पर भाईजान ने किया बड़ा ऐलान

सलमान खान का आज 27 दिसंबर को बर्थडे है इसके पहले भाईजान ने दर्शकों के लिए अपनी अपकमिंग और मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ ही फैंस को बर्थडे पर एक धमाकेदार गिफ्ट देने का भी ऐलान किया है। सलमान ने पोस्टर शेयर करते हुए फैंस को बर्थडे पर तोहफा देने का वादा किया है। सलमान खान ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा,आज सुबह फिर से मिलते हैं ठीक 11.07 बजे. सिकंदर का टीजर कल रिलीज होगा। यानि सिकंदर की पहली झलक हमें सलमान

खान के बर्थडे पर देखने को मिलेगी। जिसके लिए फैंस पहले से ही एक्साइटेड हैं। वहीं भाईजान ने इसे शेयर करके फैंस की एक्साइटमेंट दोगुनी कर दी है। सलमान खान 27 दिसंबर को अपना 58 वां बर्थडे सेलिब्रेट किए। फैंस को पहले से उम्मीदें थीं कि वे अपने बर्थडे पर जरुर कुछ अच्छा तोहफा देंगे स्पेशली सिकंदर से कुछ अनाउंस करेंगे। उनकी उम्मीदें पूरी करते हुए भाईजान ने बर्थडे से एक दिन पहले फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज किया वहीं बर्थडे पर टीजर रिलीज करने का अनाउंसमेंट भी किया। इस अनाउंसमेंट से फैंस काफी खुश हो गए हैं। इससे पहले वरुण धवन अपनी नई फिल्म बेबी जॉन के लिए बिग बॉस 18 में गए थे, जहां उन्होंने खुलासा किया कि सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर से उनका फर्स्ट लुक आने वाला है। यह उनके स्पेशल डे यानी आज 27 दिसंबर को आया। .इसी बीच सोशल मीडिया पर ये खबर वायरल है कि सिकंदर का टीजर 80 सेकंड को होगा हालांकि इसका कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। ये तो देखने के बाद ही पता चलेगा। बता दें सिकंदर में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना अहम भूमिका में हैं वहीं इसमें शरमन जोशी और काजल अग्रवाल का भी खास रोल है। फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होगी इसे मुर्गदास ने निर्देशित किया है.

जूनियर एनटीआर ने वॉर 2 का लंबा शेड्यूल पूरा किया

जूनियर एनटीआर ने वॉर 2 के लिए लंबा शेड्यूल पूरा किया। एनटीआर को फिल्म प्रेमियों के सभी वर्गों में जबरदस्त समर्थन प्राप्त है और आरआरआर और देवरा में उनके गहन और प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ उत्तर में उनके लिए दीवानगी बढ़ गई है। फिलहाल सभी की निगाहें उनके आने वाले प्रोजेक्ट वॉर 2 पर हैं। यह फिल्म एनटीआर की पहली बॉलीवुड प्रोजेक्ट है और वह ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन प्रेजेंस साझा कर रहे हैं। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म वॉर का सीक्वल है और 14 अप्रैल 2025 को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में जोरों पर है। अब यह सामने आ रहा है कि एनटीआर ने वॉर 2 के लिए एक लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है। एक अन्य एक्शन सीक्वेंस में ऋतिक रोशन ने शूटिंग में भाग लिया।सूत्रों का कहना है कि जनवरी में एक और सीक्वेंस शूट किया जाना था, लेकिन एनटीआर ने जनवरी 2025 के अंत तक पूरी शूटिंग पूरी करने की योजना बनाई है। इसलिए अयान मुखर्जी शेड्यूल को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। अंदरूनी चर्चा है कि एनटीआर की सुपरसोनिक गति सभी को चौंका रही है। गानों को छोड़कर, पूरी शूटिंग जनवरी के अंत तक पूरी हो जाएगी। एनटीआर फरवरी से प्रशांत नील के साथ अपनी अगली फिल्म के सेट पर शामिल होंगे।

ब्लैक कलर में बला की खूबसूरत दिखीं अनुष्का सेन

बालवीर फेम अनुष्का सेन इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में अपनी एक्टिंग से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका बोल्ड और हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस अनुष्का सेन बेहद ही टैलेंटेड अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी अच्छी-खासी पहचान बना ली है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक की फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने ब्लैक कलर का बैकलेस बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। खुले बालों को स्टाइलिश लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। हाई हील्स, हाथों में बैग पकड़े हुए और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने इस लुक को बेहद ही स्टनिंग तरीके से निखारा है।अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 39.9 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

बैलेट पेपर से होंगे छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव

- सरकार का बड़ा फैसला... छत्तीसगढ़ में बैलेट पेपर से होंगे निकाय चुनाव
- नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा...
- उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी
- 7 जनवरी के बाद कभी लागू हो जाएगी आचार संहिता

रायपुर,27 दिसम्बर 2024 (ए)। नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव बैलट पेपर के जरिए होंगे। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि 7 जनवरी के बाद कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है। मंत्री अरुण साव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ईवीएम मशीनों की तैयारियों में समय लग रहा था, इसलिए बैलट पेपर के माध्यम से चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। चुनाव आयोग इस प्रक्रिया की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी सरकार द्वारा की जा रही है और नियमों में बदलाव के साथ आरक्षण प्रक्रिया भी चल रही है। सरकार जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने यह भी बताया कि आरक्षण प्रक्रिया और महापौर चुनाव के लिए 7 तारीख तय की गई है। जैसे ही आरक्षण प्रक्रिया समाप्त होगी, चुनाव आयोग को इस बारे में सूचना भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था लागू की गई है और कई नियमों में बदलाव किया गया है। कानून में बदलाव कर यह व्यवस्था तैयार की गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि हर तीन महीने में मतदाता सूची का नवीनीकरण करने का निर्णय लिया गया है, ताकि छूटे हुए नाम जोड़े जा सकें। चुनाव प्रक्रिया में तेजी से काम हो रहा है। मार्च में बोर्ड परीक्षा शुरू हो रही है, लेकिन हमें पूरी उम्मीद है कि चुनाव परीक्षाओं से पहले संपन्न हो जाएंगे।

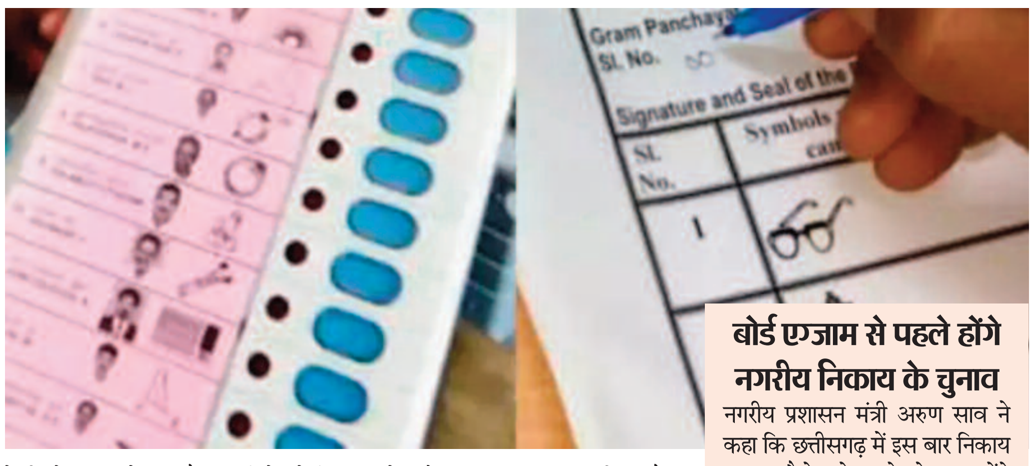

ईवीएम से लग रहा था समय

दरअसल, ईवीएम मशीन से चुनाव की तैयारी में समय लग रहा था। इसके बाद बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के साथ-साथ शासकीय और प्रशासन के स्तर पर भी चुनाव की तैयारी चल रही है। निकाय चुनाव को लेकर इस बार नियमों में परिवर्तन हुआ है। आरक्षण की प्रक्रिया भी होगी। नगरीय प्रशासन मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जल्द ही चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ मतपत्र की छपाई के लिए दर तय कर निर्देश जारी कर दिया है। प्रदेश सभी कलेक्टरों को राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं। महापौर और अध्यक्ष पदों के मतपत्रों का स्थानीय स्तर पर ही मुद्रण होगा। इस बार छत्तीसगढ़ के 169 निकायों में चुनाव होने हैं। छत्तीसगढ़ में चुनाव दलीय आधार पर होते हैं।

बोर्ड एग्जाम से पहले होंगे नगरीय निकाय के चुनाव

नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इस बार निकाय चुनाव बैलेट पेपर से होगा। उन्होंने तारीखों को लेकर कहा कि बोर्ड एग्जाम से पहले प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायत के चुनाव हो जाएंगे। साथ ही यह अटकलें हैं कि प्रदेश में सात जनवरी के बाद कभी आचार संहिता लग सकती है। राज्य निर्वाचन आयोग निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटी है।

निकाय चुनाव के लिए आरक्षण अब 8 जनवरी को

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पदों के लिए आरक्षण की तिथि बढ़ा दी गई है। अब पंचायत के वार्डों का आरक्षण 8 जनवरी को होगा, जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष के पदों का आरक्षण 11 जनवरी को होगा। इस आशय के आदेश जारी कर दिए गए हैं। पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण कल होने वाला था मगर अब स्थगित कर तिथि आगे बढ़ाई गई है। जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, और पंच-सरपंच के पदों का आरक्षण के लिए सूचना का प्रकाशन 3 जनवरी को होगा। जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य और पंच-सरपंच के पदों के लिए आरक्षण की कार्रवाई 8 से 10 जनवरी के बीच होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण की सूचना का प्रकाशन 3 जनवरी को होगा। आरक्षण की कार्रवाई 11 जनवरी को की जाएगी। प्रदेश के 11 हजार पंचायतों में चुनाव दलीय आधार पर नहीं होंगे। इसके लिए बैलेट पेपर के जरिए मतदान होगा। मतदान के तुरंत बाद मतों की गिनती शुरू होगी। माना जा रहा है कि फरवरी में चुनाव होंगे, और जिला पंचायत के चुनाव मार्च के पहले पखवाड़े तक पूरे हो जाएंगे। रायपुर- छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत के चुनाव होने हैं। इसे लेकर प्रशासन तैयारी में जुट गई है। पहले से यह था कि नगरीय निकाय के चुनाव ईवीएम से होंगे। इस बीच छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव बैलेट पेपर के जरिए होंगे। हालांकि अभी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

नगरीय निकाय चुनाव से पहले 183 अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला

रायपुर,27 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव से पहले राज्य सरकार ने बड़ा फेरबदल किया है। शुक्रवार को शासन ने नगरीय प्रशासन विभाग के 183 अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर किया है। जिसमें उपायुक्त, सहायक संचालक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी , उप अभियंता, लेखपाल और हेल्पर जैसे विभिन्न स्तर के कर्मचारी शामिल हैं। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में खुलेंगे नए थाने,आदेश हुआ जारी

रायपुर,27 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में नए थाने खोलने की मंजूरी दी गई है। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार रायपुर के राजातालाब नूरानी चौक स्थित नूरानी चौकी अब पूरी तरह थाने के रूप में काम करेगी।

इस लिस्ट के अनुसार 14 जिलों रायपुर,बलौदा बाजार, महासमुंद, धमतरी, बालोद, सारंगढ़-बिलाईगढ़, कोरबा, जशपुर, बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा में थाने खुलेंगे।

भीषण सड़क हादसे में 5 कॉलेज छात्रों की मौत

कांकेर,27 दिसम्बर 2024(ए)। जिले के भानुप्रतापपुर के अंतागढ़ मार्ग में भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। तेज रफ्तार स्कॉर्पिओ ने दो बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन युवक और दो युवतियों की मौत हो गई है। सभी कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बाइक से गिरी महिला के ऊपर गुजरा ट्रक,मौत

दुर्ग,27 दिसम्बर 2024(ए)। भिलाई में नेहरू नगर चौक के पास हुए एक हादसे में एक महिला की मौत हो गई। गुरुवार की रात को वो अपने पति के साथ दुर्ग से वापस घर लौट रही थी। नेहरू नगर चौक के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हुई और दंपती सड़क पर गिर गए। पीछे से आ रहे एक ट्रक का पहिया महिला के सिर के ऊपर से गुजर गया। जिसमें महिला की मौके पर मौत हो गई।

महतारी वंदन योजना मामले में छत्तीसगढ़ में बड़ा फर्जीवाड़ा

- 1000 रुपये की जगह महिला को दिए जा रहे 500 रुपये

रायपुर,27 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार की महतारी वंदन योजना एक बार फिर लापरवाही के कारण विवादों में आ गई है। बस्तर से सरगुजा तक इस योजना में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आ रही हैं। जहां एक ओर बस्तर में सनी लियोनी के नाम से फर्जी तरीके से योजना का लाभ उठाया गया, वहीं सरगुजा में 41 वर्षीय हितग्राही को योजना के तहत 1000 रुपये की जगह महज 500 रुपये दिए जा रहे हैं।

क्या है ताजा मामला ?

सरगुजा की हेमा कंसारी, जिनकी उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच है। उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग ने वृद्धा मानते हुए महतारी वंदन योजना के तहत केवल 500 रुपये दिए। विभाग का कहना है कि हेमा को वृद्धा पेंशन दी जा रही है, जबकि नियमों के अनुसार वृद्धा पेंशन केवल 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को दी जाती है। हेमा ने कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

बस्तर में सनी लियोनी के नाम पर फर्जीवाड़ा

इससे पहले बस्तर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया था, जहां सनी लियोनी के नाम पर 5 फर्जी खाता बनाकर महतारी वंदन योजना का लाभ उठाया गया। खास बात यह थी कि खाते में सनी लियोनी के पति का नाम जॉनी सिंस दर्ज किया गया था। मामले के उजागर होने के बाद अधिकारियों ने जांच शुरू की और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के कारण सरकार की देशभर में आलोचना हुई।

महिला एवं बाल विकास मंत्री के इलाके में लापरवाही

सरगुजा का यह मामला महिला एवं बाल विकास मंत्री के क्षेत्र का है, जिससे विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। एडिशनल कलेक्टर ने कहा है कि उन्हें हाल ही में इस मामले की जानकारी मिली है और इसे जल्द सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।

सोलर स्ट्रीट लाइट के नाम पर 18 करोड़ का घोटाला

- हाईकोर्ट ने पूछा आखिर कौन है जिम्मेदार...

बिलासपुर, 27 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के नाम पर डीएमएफ फंड के 18 करोड़ रुपये घोटाला मामले की सुनवाई की। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के बेंच में हुई। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए पूछा कि बिना टेंडर पास हुए 18 करोड़ रुपये के सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की अनुमति किसने दी और इस मामले में जिम्मेदार कौन है। कोर्ट ने उर्जा सचिव को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने के निर्देश दिए है।

मामला बस्तर के सुकमा और आसपास के 190 गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने में फर्जीवाड़ा सामने आया है। इस मामले में कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने डीएमएफ फंड का दुरुपयोग और गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाते समय क्रेडा से अनुमति ना लेने की बात पर डिवीजन बेंच ने नाराजगी जताई है। क्रेडा की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता ने डिवीजन बेंच को बताया कि जब गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का काम किया जा रहा था उस समय विभाग ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई थी। इस बात को लेकर भी विरोध दर्ज करया गया था कि बगैर टेंडर यह काम क्यों किया जा रहा है। नियमों और मापदंडों के अनुरूप काम रकने की बात भी कही गई थी। विभाग की आपत्ति पर ध्यान नहीं दिया गया।वहीं इस मामले में सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पैरवी करते हुए महाधिवक्ता कार्यालय के ला अफसर ने कोर्ट को बताया कि शिकायत के बाद इस पूरे मामले की अप्रैल में जांच पूरी कर ली गई थी। कोर्ट ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जांच के बाद आपने क्या किया। जांच में आपको क्या मिला और किस पर कार्रवाई की। जांच पड़ताल के बाद आगे कार्रवाई क्यो नहीं की गई। इन सब का जवाब नहीं मिलने पर कोर्ट ने उर्जा सचिव को नोटिस जारी कर शपथ पत्र में जवाब मांगा है।

जब तक हिंदू सुरक्षित हैं, तब तक अन्य कौम भी

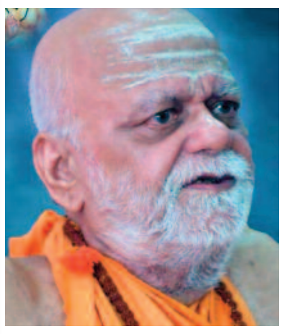

रायपुर,27 दिसम्बर 2024(ए)। शंकराचार्य निश्चलानंद महाराज ने मोहन भागवत को लेकर बड़ा बयान दिया है। मंदिर-मस्जिद विवाद को पर मोहन भागवत के बयान पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि स्वयं सेवक बनते-बनते सर्व संचालक बन जाते हैं। इन्हें 12 महीने बोलना है, इसलिए कुछ भी बोल देते हैं, बाद में लज्जित होते हैं और कह देते हैं कि हमारे बयानों की आलोचना करने का सबको अधिकार है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत में हिन्दू का चिन्ह न ढूंढें. ये आलोचना के नहीं, दया के पात्र हैं।

हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा कि हर मस्जिद में शिवलिंग ढूंढने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें इतिहास को सही संदर्भ में समझना चाहिए और वर्तमान में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब देश में संभल, मथुरा, अजमेर और काशी समेत कई जगहों पर मस्जिदों के प्राचीन समय में मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। उनके इन्हीं बयानों को लेकर अब शंकराचार्य निश्चलानंद महाराज ने तंज कसा है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी

- 3 दिन की रिमांड पर मुख्य आरोपी
- दुबई से जुड़ा है कनेक्शन
- भारत में फैले नेटवर्क का भंडाफोड़ करेगी छत्तीसगढ़ पुलिस

गरियाबंद,27 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में ट्रेड एक्सपो ट्रेडिंग ऐप से लगभग 5 करोड़ की ठगी मामले में एमपी के रीवा से गिरफ्तार अरुण द्विवेदी ट्रेड एक्सपो को भारत में लाने वाला मुख्य सरगना है, जिसका कनेक्शन दुबई व बांग्लादेश से है। पुलिस ने ठगी के चौथे आरोपी अरुण को न्यायालय से तीन दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर भारत में फैले ठग नेटवर्क का भंडाफोड़ करेगी।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने कई चौंकाने वाला खुलासा किया है। छत्तीसगढ़ में गरियाबंद के अलावा धमतरी, महासमुंद में भी ठगी की गई है। आरोपी अरुण द्विवेदी के खिलाफ झारखंड में भी पुलिस ने 5 करोड़ की ठगी का मामल दर्ज किया है। 19 दिसम्बर को ठगे गए निवेशकों की शिकायत के बाद राजिम पुलिस ने जिन पांच आरोपियों के खिलाफ बीएनएस 420,409 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है उसमें पांचवां आरोपी राजाराम तारक (नीले घेरे में) अब भी फरार है। पुलिस को मिली इस बड़ी सफलता के बाद अब छत्तीसगढ़ के अलावा भारत में फैले नेटवर्क का भंडाफोड़ करने मुख्य आरोपी अरुण द्विवेदी को तीन दिन दिन के लिए रिमांड पर लिया है. पुलिस रकम की वापसी के रास्ते निकालने की दिशा में भी पहल कर रही है।

शिक्षक,पुलिस वाले भी हुए हैं ठगी के शिकार

बता दें कि 19 दिसंबर को संतोष देवांगन ने पांच लोगों को खिलाफ नामजद राजिम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। 93 लोगों से रकम 5 गुना करने का झांसा देकर गिरोह ने बड़ी ठगी को अंजाम दिया था। लालच में आकर कई लोगों ने अपनी जमा पूंजी गंवा दी। प्रॉपर्टी गिरवी रखकर मोटी ब्याज दर पर पैसे उठाए थे। निवेश करने वाले में शिक्षक के अलावा पुलिस परिवार के लोग भी शामिल हैं। इस मामले में एडिशनल एसपी जितेंद्र चंद्राकर ने बताया कि आरोपी भारत में ट्रेड एक्सपो लाने वाला प्रमुख आदमी है. न्यायलय से तीन दिन की रिमांड मांगी गई है,। ताकि और आगे जानकारी जुटाई जा सके।

सरकार ने कर्मचारियों का यात्रा भत्ता बढ़ाया

रायपुर,27 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नव वर्ष से पहले सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत देते हुए यात्रा भत्तों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। वित्त विभाग ने इसके संबंध में संशोधित आदेश जारी कर दिया है। नए आदेश के तहत, छत्तीसगढ़ यात्रा भत्ता नियमों में बदलाव कर कुछ संवर्गों के लिए स्थाई यात्रा भत्ते की पात्रता और दरों को पुनः निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार ने गहन विचार-विमर्श के बाद स्थाई यात्रा भत्ता की दरों में संशोधन किया है। इस बदलाव का लाभ कई सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा। संशोधित भत्ते के दायरे में आने वाले कर्मचारियों में राजस्व निरीक्षक (आरआई), विक्रय अमीन, सहायक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (ग्राम सेवक), सहायक विकास विस्तार अधिकारी, पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक, और पीएचई विभाग के हैंडपंप तकनीशियन शामिल हैं। इन कर्मचारियों को अब 350 रुपये के बजाय 1200 रुपये मासिक यात्रा भत्ता दिया जाएगा। सरकार ने जिला और तहसील स्तर के कर्मचारियों के यात्रा भत्ते में भी बढ़ोतरी की है। भृत्य जमादार, वन राजस्व विभाग के चेनमैन, न्यायिक और जीएसटी विभाग के प्रोसेस सर्वर, और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पटवारियों को अब 300 रुपये के स्थान पर 1000 रुपये प्रति माह यात्रा भत्ता मिलेगा।

रायपुर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

रायपुर,27 दिसम्बर 2024(ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत पांच दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे के लिए रायपुर पहुंच चुके हैं. वे 27 से 31 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे रायपुर दौरे पर रहने वाले हैं. आरएसएस प्रमुख संगठन विस्तार को लेकर महत्वूर्ण बैठक लेंगें और आरएसएस का शताब्दी वर्ष पूरा होने पर कार्यक्रमों की जानकारी लेगें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)